18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 1

गुरुवार
18 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



पवन सिंह ने काराकाट के लिए किया इलेक्शन सांग लांच

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

सूर्य की किरणों ने किया श्रीरामलला का 'महामस्तकाभिषेक', हर्षित हुआ पूरा देश

- अयोध्या में लगी 150 एलईडी स्क्रीन पर भक्तों ने कार्यक्रम का देखा लाइव प्रसारण
- भए प्रगट कृपाला दीनदयाला से गुंजायमान हुई अवधपुरी
- श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था की रही पुख्ता व्यवस्था

केटी न्यूज/अयोध्या





प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली राम रामनवमी पर दिव्य-भव्य मंदिर में ऊपरी तल से भूतल तक दर्पण दर्पण घूमती टहलती दृश्यमान देवता दिवाकर की प्रतिनिधि किरणें आज मध्य दिवस में जैसे ही रामलला के ललाट पर सुशोभित हुईं, टकटकी लगाए हजारों हजार आंखें खुशी से छलछला उठीं। रोम रोम पुलकित हो उठा। मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं की अपरंपार भीड़ इस अद्भुत, अलौकिक और अविस्मरणीय पल को सहेजने में लगी थी। यही हाल बड़ी बड़ी एलईडी स्क्रीन और अपने घरों में टीवी के सामने बैठे लोगों का भी था। आज श्रीराम नवमी पर केवल जन्मभूमि मंदिर ही नहीं अपितु पूरी अयोध्या को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया। ऐसा हो भी क्यों नहीं, आखिर पांच सौ वर्षों के संघर्ष के बाद श्रीराम लला के अपने मूल स्थान पर विराजमान होने के बाद यह पहला जन्मोत्सव है। पहले तय हुआ था कि मंदिर की पूर्णता के उपरांत सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक की व्यवस्था की जाय, किंतु साधु-संतों का तर्क था कि जब श्रीराम लला विधि-विधान पूर्वक प्रतिष्ठित हो गये हैं तो सब कुछ विधिवत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की हरी झंडी मिलने के बाद रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च संस्थान का वैज्ञानिक दल सूर्य तिलक को मूर्त रूप देने में जुट गया।

यह बहुत आसान नहीं था क्योंकि पृथ्वी की गति के हिसाब से सूरज की दिशा और कोण को समन्वित करके किरणों को उपकरणों के माध्यम से ऊपरी तल से राम लला के ललाट तक पहुंचाना था। अंततोगत्वा वैज्ञानिक सफल हुए और पूर्व निर्धारित समय पर 75 मिलीमीटर टीके के रूप में सूर्य किरणें राम लला के ललाट तक पहुंची। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालु बच्चों की तरह किलक उठे। बाल, वृद्ध, नारी सब एक ही भाव में थे। वैसे आज प्रातः मंगला आरती से ही अयोध्या में उत्सव का वातावरण था। मंगलवार से ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय समेत मंदिर व्यवस्था से जुड़े पदाधिकारी सारे काम की निगरानी कर रहे थे।

सूर्य की किरणों से दमके प्रभु रामलला

रामनवमी के अवसर पर राम लला को मंगल स्नान कराकर विशेष रूप से तैयार किए गए नये उत्सव वस्त्र धारण कराए गए। श्रद्धालुओं की भीड़ के दृष्टिगत खास इंतजाम किए गए थे। निर्धारित समय पर जन्म मुहूर्त में सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक होते ही श्रद्धालु आह्लादित हो उठे। जयकारों के बीच आरती संपन्न हुई। बाहर आते लोगों को विशेष रूप से तैयार कराया गया धनिया की पंजीरी समेत अन्य प्रसाद बांटा गया। श्रीराम लला को भी छप्पन भोग लगाया गया। इन पकवानों को कारसेवकपुरम में ही शुद्धता के साथ तैयार कराया गया था। प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ मची रही। बेहतरीन व्यवस्था के बीच सब कुछ कुशलतापूर्वक संपन्न हुआ, क्योंकि मंदिर परिसर ही नहीं आज तो पूरा अयोध्या धाम भीड़ से भरा था। जगह जगह लगी एलईडी स्क्रीन पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने सूर्य किरणों से महामस्तकाभिषेक समेत जन्मोत्सव का सीधा प्रसारण देखा।

जन्मोत्सव के साथ बजे सोहर व बधाई गीत

रामनवमी पर भगवान की भक्ति में लीन श्रद्धालु अपने आराध्य देव के जन्मोत्सव की प्रतीक्षा में पलक पावड़े बिछाए रहे। कनक भवन व श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित मंदिर सहित कई मठ मंदिरों में घंटा-घड़ियाल बजने लगा और जैसे ही भगवान का जन्म हुआ तो चारों तरफ केवल रुभये प्रगट कृपाला, दीनदयाला कौशल्या हितकारी, हरषित महतारी, तनमुनहारी अद्भुत रूप बिचारी...₹ की ध्वनि से पूरी अयोध्या गुंजायमान हो उठी। जन्मोत्सव के साथ ही जगह-जगह सोहर व बधाई गीत बजने शुरू हो गए, श्रद्धालु भी ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते नजर आए। रामनवमी पर्व पर दूर-दराज से आए लाखों श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पतित पावनी मां सरयू में स्नान किया और फिर अपने आराध्य देव भगवान राम के जन्मोत्सव की छटा देखने के लिए कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि परिसर सहित तमाम मठ-मंदिरों की चल पड़े।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा प्रमुख ने भाजपा को घेरा

भाजपा इस बार 150 सीट से आगे नहीं बढ़ने वाली: राहुल

- कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी पर किया वार कहा- वे भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं
- राहुल बोले- बीजेपी संविधान खत्म कर रही है, यह उसको बचाने का चुनाव है
- राहुल ने चुनावी बांड को दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना बताया

एजेंसी/गाजियाबाद



लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि 15-20 दिन पहले मुझे लग रहा था भाजपा 180 सीटों तक जाएगी, पर अब जमीनी रिपोर्ट्स बता रही हैं कि वो 150 से भी आगे नहीं बढ़ने वाले। इंडिया गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ रहा है और देश भर में जबरदस्त अंडरकरेंट है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को इंटरव्यू पूरा स्क्रिप्टेड था।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने एएनआई को एक बहुत लंबा इंटरव्यू दिया। यह स्क्रिप्टेड था, लेकिन यह फ्लॉप शो था। प्रधानमंत्री ने इसमें चुनावी बांड को समझाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री कहते हैं कि चुनावी बांड की व्यवस्था पारदर्शिता के लिए, राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया। अगर ये सच है तो सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यवस्था को क्यों रद्द कर दिया और दूसरी बात अगर आप पारदर्शिता लाना चाहते थे तो आपने भाजपा को पैसा देने वालों के नाम क्यों छुपाए। आपने उन तारीखों को क्यों छुपाया जिस दिन उन्होंने आपको पैसे दिए थे? यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है। वायनाड सांसद ने कहा कि भारत के सभी कारोबारी इस बात को समझते और जानते हैं और प्रधानमंत्री चाहे कितनी भी सफाई दे दें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह विचारधारा का चुनाव है। बीजेपी संविधान खत्म कर रही है। यह उसको बचाने का चुनाव है। कभी पीएम मोदी पानी के नीचे चले जाते हैं। कभी आसमान में चले जाते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ भाजपा और एनडीए संविधान और लोकतांत्रिक को खत्म करने की कोशिश कर रही है, और दूसरी तरफ इंडी गठबंधन और कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रही है। चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। बेरोजगारी सबसे बड़ी है और महंगाई दूसरी सबसे बड़ी है, लेकिन बीजेपी ध्यान भटकाने में लगी है, न तो प्रधानमंत्री और न ही बीजेपी मुद्दों पर बात करती है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने ओपन माइंड से सीट शेयरिंग की है। इसका कोई कमजोरी का मतलब नहीं है। गठबंधन के लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं सीट की भविष्यवाणी नहीं कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि जो यूपी में गठबंधन है यह बहुत पावरफुल है। पिछले 10 सालों में नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी, गलत जीएसटी और अडानी को सपोर्ट करके रोजगार के अवसर खत्म कर दिए। राहुल ने कहा कि जो रोजगार युवाओं को मिलना चाहिए। उसको लेकर हमने अपने मेनिफेस्टो में जिक्र किया है।

भाजपा की हर बात, उनके हर वादे झूठे निकले: अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा की हर बात झूठी निकली उनके वादे झूठे निकले, ना किसान की आय दोगुनी हुई ना नौजवानों को रोजगार मिला। विकास के जो सपने दिखाए थे वे भी अधूरे हैं। इनका जो नैतिकता का बुलबुला था वे भी टूट गया। चुनावी बॉन्ड ने इनका बैंड बजा दिया। भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। ना केवल भ्रष्टाचारियों को ले रहे हैं, बल्कि भ्रष्टाचारियों ने जो कमाया है उसको भी अपने साथ रख रहे हैं, जो डबल इंजन का दावा करते रहे उनकी होर्डिंग देखिए, अब डबल नहीं अकेले दिखाई देते हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्टरल बॉन्ड ने सरकार का बैंड बजा दिया है। बीजेपी भ्रष्टाचार का गोदाम बन गई है। एक-दो नहीं, दस पेपर लीक हो चुके हैं। साठ लाख लोगों का भविष्य अंधेरे में डाल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि सिर्फ वोट नहीं डालना, बल्कि बूथ की रक्षा भी करनी है। उन्होंने आगे कहा कि डबल इंजन की सरकार में होर्डिंग पर बस एक चेहरा दिखाई देता है।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर भयानक दुर्घटना सामने आई है। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर नडियाद के पास एक मारुति अर्टिगा टैंकर के पीछे से टकरा गई और कार में सवार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार पलक झपकते ही टैंकर के पीछे जा घुसी और लोगों को बचने का कोई मौका नहीं मिल पाया। एक्सप्रेसवे यह हादसा रामनवमी के मौके पर तब हुआ जब छुट्टी के चलते एक्सप्रेसवे पर वाहनों की संख्या काफी कम थी। इससे पहले भी एक्सप्रेसवे पर बड़े हादसे हो चुके हैं।

वडोदरा से अहमदाबाद जा रही एक कार अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि हाईवे पर कार जोरदार धमाके के साथ टैंकर से टकराई और अर्टिगा टैंकर के पिछले हिस्से में जा गिरी। कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और क्रेन बुलाकर कार को टैंकर के नीचे से निकाला गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में करीब 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य की मौत इलाज के दौरान हुई। दुर्घटनाग्रस्त कार अहमदाबाद पासिंग की है। पुलिस ने मृतकों की पहचान पाने के लिए कार नंबर और आधार कार्ड विवरण के आधार पर जांच कर रही है।

बक्सर कोईलवर तटबंध पर पलटी जीप, तीन की मौत, तीन जख्मी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बुधवार की दोपहर बक्सर कोईलवर तटबंध पर महुआर महादेव डेरा व ब्रह्मचारी डेरा के समीप एक तेज रफ्तार जीप अचानक अनियंत्रित हो तटबंध से नीचे पलट गई। इस दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से जख्मी है। वहीं सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने जीप में फंसे घायलों को निकाल अस्पताल पहुंचाया। मृतकों में उत्तर प्रदेश के बलिया जाफलीगंज के मोतीलाल वर्मा की 55 वर्षीय पत्नी माधुरी देवी, उसी परिवार की 25 वर्षीय रीना कुमारी व 14 वर्षीय डिम्पी कुमार शामिल है। इनमें रीना की मौत बलिया में इलाज के दौरान हुई है, जबकि माधुरी व डिंपी की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं मोतीलाल वर्मा, आर्यन कुमार व मुन्नी देवी भी जख्मी हैं। जिनका इलाज बलिया में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार तीनों सुबह में अपने घर से चैत रामनवमी पर महुआर गांव के दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना करने आए थे। इधर से लौटने के दौरान ही जीप अचानक अनियंत्रित हो तटबंध से नीचे जा गिरी। जानकारों का कहना है कि तटबंध से पलटने के बाद दुर्घटनाग्रस्त जीप एक बबूल के पेड़ से टकरा गई थी। जिस कारण हादसा गंभीर हो गया। इधर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ब्रह्मपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है।

पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार थमा

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हो रहा है। पहले चरण के लिए बुधवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। पहले चरण का मतदान 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 102 चुनाव क्षेत्रों में होगा। पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार उत्तर पूर्व में बुधवार दोपहर 3 बजे समाप्त हो गया, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह शाम 6 बजे समाप्त हुआ। चुनाव आयोग ने सात चरणों में देश की 543 लोकसभा सीटों पर मतदान कराने का ऐलान किया है। पहला चरण 19 अप्रैल से शुरू हो रहा है। सभी चरणों की मतगणना एक साथ 4 जून को होगी। कुछ संवेदनशील इलाकों और क्षेत्रों को छोड़कर 19 अप्रैल को सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक होगी। मतदान के दौरान चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और मतदान केंद्रों पर केंद्रीय बल की तैनाती की गई है।



संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने अपनी रिर्पोट में किया दावा

भारत में तेजी से बढ़ रही जनसंख्या, 144 करोड़ पहुंची आबादी

एजेंसी/नई दिल्ली



संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या 144 करोड़ तक पहुंच गई है। इसमें 0-14 आयु वर्ग के लोगों की आबादी 24 फीसदी है। 2011 में हुई पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की जनसंख्या 121 करोड़ थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रसव के दौरान होने वाली महिलाओं की मौतों में गिरावट हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की जनसंख्या में 0-14 आयु वर्ग वाले 24 फीसदी, जबकि 10-19 आयु वर्ग वाले 17 प्रतिशत है। वहीं, 10-24 आयु वर्ग वालों की संख्या 26 फीसदी है। भारत की जनसंख्या में 10-64 आयु वर्ग वाले 68 प्रतिशत, जबकि 65 और उससे अधिक उम्र वाले सात प्रतिशत लोग शामिल हैं। पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 और महिलाओं की 74 वर्ष है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 साल में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में जो प्रगति हुई है, उसमें दुनियाभर के सबसे पिछड़े समुदायों को ज्यादातर नजरअंदाज ही किया गया है।

भारत में मातृ मृत्यु में काफी गिरावट आई है, जो दुनिया भर में होने वाली ऐसी सभी मौतों का 8 प्रतिशत रह गया है। पीएलओएस ग्लोबल पब्लिक हेल्थ के रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया कि भारत के 640 जिलों में हाल ही में की गई रिसर्च से पता चला है कि लगभग एक तिहाई जिलों ने मातृ मृत्यु दर को कम करने का सतत विकास लक्ष्य हासिल किया है। इनमें प्रति 100,000 जीवित जन्म पर प्रजनन के दौरान महिलाओं की मृत्यु दर 70 से कम है, लेकिन 114 जिलों में अभी भी यह अनुपात 210 या उससे कुछ ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया, दिव्यांग महिलाओं और लड़कियों, शरणार्थियों, जतीय अल्पसंख्यकों, समलैंगिग समुदाय के लोगों, एचआईवी से पीड़ित और वंचित जातियों को सबसे ज्यादा यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है।₹ हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत की सफलता का श्रेय अक्सर किफायती, गुणवत्तापूर्ण मातृ स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच के साथ स्वास्थ्य नतीजों पर लैंगिक असमानता के प्रभाव को दूर करने की कोशिशों को दिया जाता है।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 2

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बगही गांव में हुई घटना, 200 बीघे की फसल राख

अगलगी में खलिहान में घिरा परिवार, महिला की झुलसने से मौत, तीन जख्मी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड स्थित बुधवार को आग ने भारी तबाही मचाई। इस दौरान आग में घिर एक महिला की मौत हो गई है जबकि उसका पति व दो पुत्र भी आग में झुलस बूरी तरह से जख्मी हुए है। जिन्हें सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। उनकी हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। इस घटना में चार गांवों के किसानों की करीब 20 बिगहे में लगी गेहूं की खड़ी फसल जल गई है जबकि कुछ झोपड़ियां भी इसके जद में आई है। इसकी सूचना मिलते ही पहुंची अग्निशामन विभाग की टीम ने करीब दो घंटे के मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना के विरोध में ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग पर सड़क जाम भी किया था। जिसे प्रशासनिक टीम ने उचित मुआवजा का आश्वासन दे समझा बुझाकर हटा दिया। मृतका की पहचान बगही के ददन राम की 50 वर्षीय पत्नी रामावती देवी के रूप में हुई है। जबकि खुद ददन राम उनका 25 वर्षीय पुत्र लालजी राम व 20 वर्षीय पुत्र लल्लू राम भी इस घटना में झुलसें है। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर करीब दो बजे जब आग गजरही से बगही की तरफ बढ़ी तब ददन राम का परिवार खलिहान में काम कर रहा था। उक्त परिवार कुछ समझता तथा भागकर जान बचाने का प्रयास करता तबतक खलिहान के चारों तरफ आग फैल चुकी थी। जिस कारण सभी उसमें झुलस गए। जानकारों का कहना है कि जख्मियों की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। जिस कारण मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। जिला प्रशासन ने पर्यावरण तथा मिट्टी की उर्वराशक्ति को बनाए रखने के लिए पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। जिला प्रशासन पराली जलाने वालों पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दे रहा है। इस घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने कहा कि लोगों ने सड़क जाम किया था। जिन्हें समझा बुझाकर शांत कराया गया। स्थानीय सीओ व बीडीओ अपने स्तर से इस मामले को देख रहे हैं।



अगलगी से लगभग दो सौ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

नावानगर। स्थानीय अंचल के सारा गांव के बधार में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई थी। जिससे गांव के लगभग दो सौ बीघा गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई। अगलगी की घटना बुधवार की है। इधर गेहूं फसल में आग लगने कि सूचना किसानों ने अग्निशामक कार्यालय एवं वरीय अधिकारी को दिया। साथ ही आग पर काबू पाने में किसान जुट गए। इधर सूचना पर अग्निशामक वाहन उक्त गांव पहुंच आग पर काबू पाने में जुट गई। अग्निशमन दल के कर्मियों के साथ किसानों के घंटो प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। अन्यथा आग की चपेट गांव के एक छोर से दूसरे छोर के बधार तक पहुंच सैकड़ों बीगहा गेहूं की खडी फसल को अपने आगोश में लेकर बर्बाद कर सकती थी। किसानों को अनुमान है कि आग की लपटे बरांव गांव के सीमा उठी है। इस अगलगी में गांव के अशोक साह, हीरालाल यादव, मुकुल चौधरी, अनील चौधरी, जयेन्द्र चौधरी, बदन चौधरी, राकेश चौधरी, समेत छोटे बड़े दर्जनों किसानों के खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर बर्बाद हो गई है। सूचना पर पहुंचे विधायक अजीत कुमार एवं जिप सदस्य राजीव कुमार उर्फ राजू यादव ने अगलगी में बर्बाद गेहूं फसल की मुआयना किया।

पवन सिंह ने काराकाट के लिए किया इलेक्शन सांग लांच भोजपुरी स्टार कह रहे...आइल काराकाट तोहर पवनवा

केटी न्यूज/पटना



भोजपुरी एक्टर पवन सिंह काराकाट से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद अब पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। इसी क्रम में पवन सिंह ने अपना इलेक्शन सांग लांच किया है, जिसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर किया है। इलेक्शन सांग लांच होते ही अब यह तेजी से वायरल हो रहा है। इलेक्शन सांग भोजपुरी में है, जिसे पवन सिंह ने खुद गाया है। वीडियो में पवन सिंह पूरी तरह चुनावी मोड में जनसंपर्क करते दिखाई दे रहे हैं।पवन सिंह द्वारा काराकाट से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद उनके फैन क्षेत्र में उनके आने का इंतजार कर रहे हैं। पवन सिंह अभी तक काराकाट पहुंचे नहीं हैं। लेकिन उनकी टीम काराकाट लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में दौरा कर रहे है और लोगों से फीडबैक ले रहे है। टीम में उनके भाई रीतिक सिंह और अन्य लोग भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन सिंह आगामी 23 अप्रैल को काराकाट पहुंच सकते हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।इलेक्शन सांग के बोल हैं - सुन बड़की माई, सुन आ बड़का भाई, चाची, काकी, दादी, बात रखीह याद, आइल काराकाट तोहर पवनवा, मांगे ला धूमी–धूमी आशीर्वाद। सुन आ मम्मी–मौसी, संगी साथी, आइल बा वोट मांगे ताहर पवनवा, मांगे ला धूमी–धूमी आशीर्वाद।फिलहाल पवन सिंह अपनी उम्मीदवारी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हो गए हैं। एक वीडियो डाल काराकाट आने की घोषणा की थी।इस दौरान उन्होंने कहा कि सिर सजदे में है, दिल में सेवादानी है। काराकाट लोकसभा की मिट्टी मुझे मां जैसे प्यारी है। आपका आशीर्वाद, प्यार और दुलार मिले बस इतनी चाहत है। काराकाट कि देव तुल्य की जनता को नमन करता हू। आपका प्यार मिले, आपका बेटा आपका नेता बने, सेवा करने का अधिकार मिले।





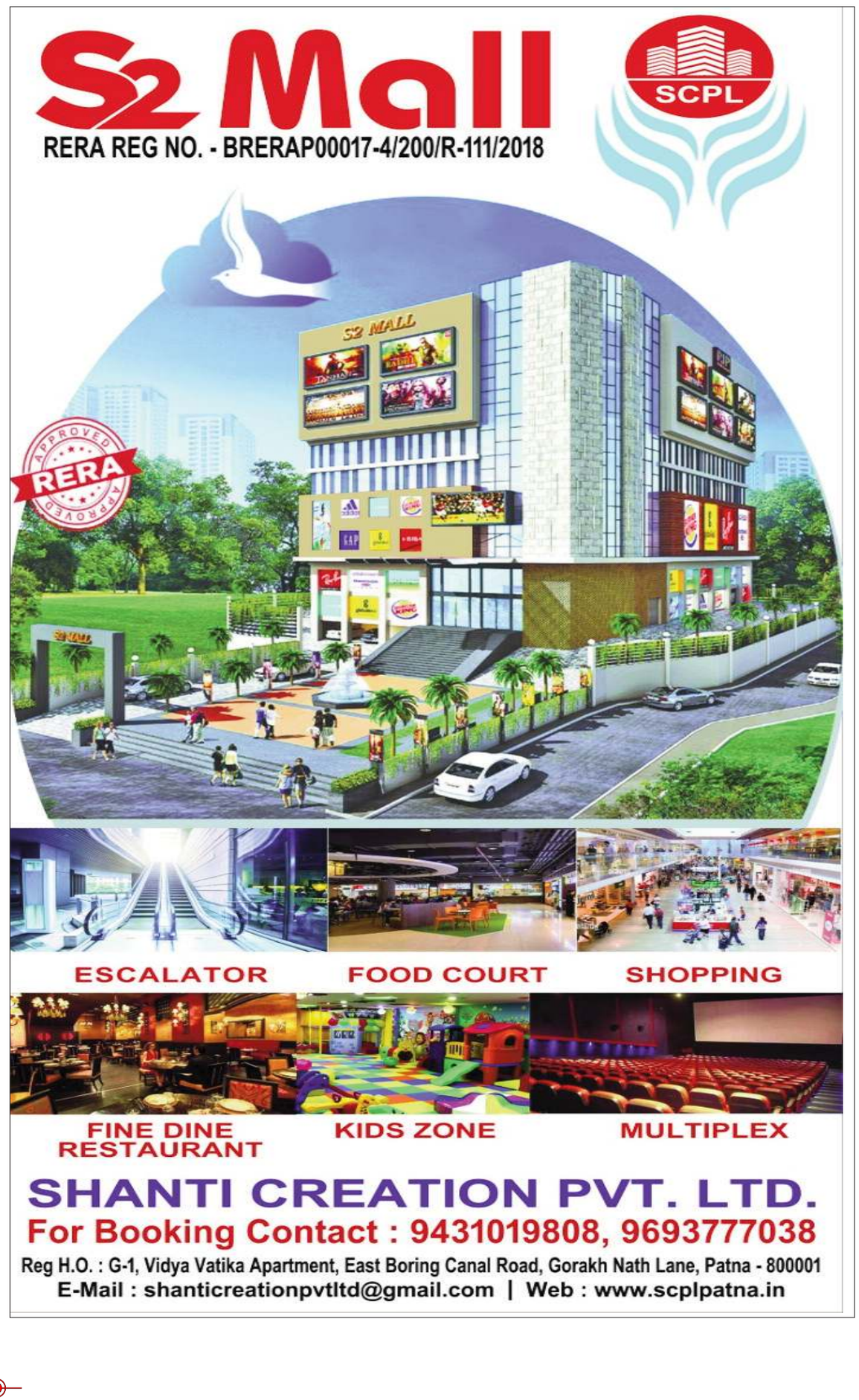
विक्की की मां सलमान से बोली, कर दीजिए बेटे को माफ

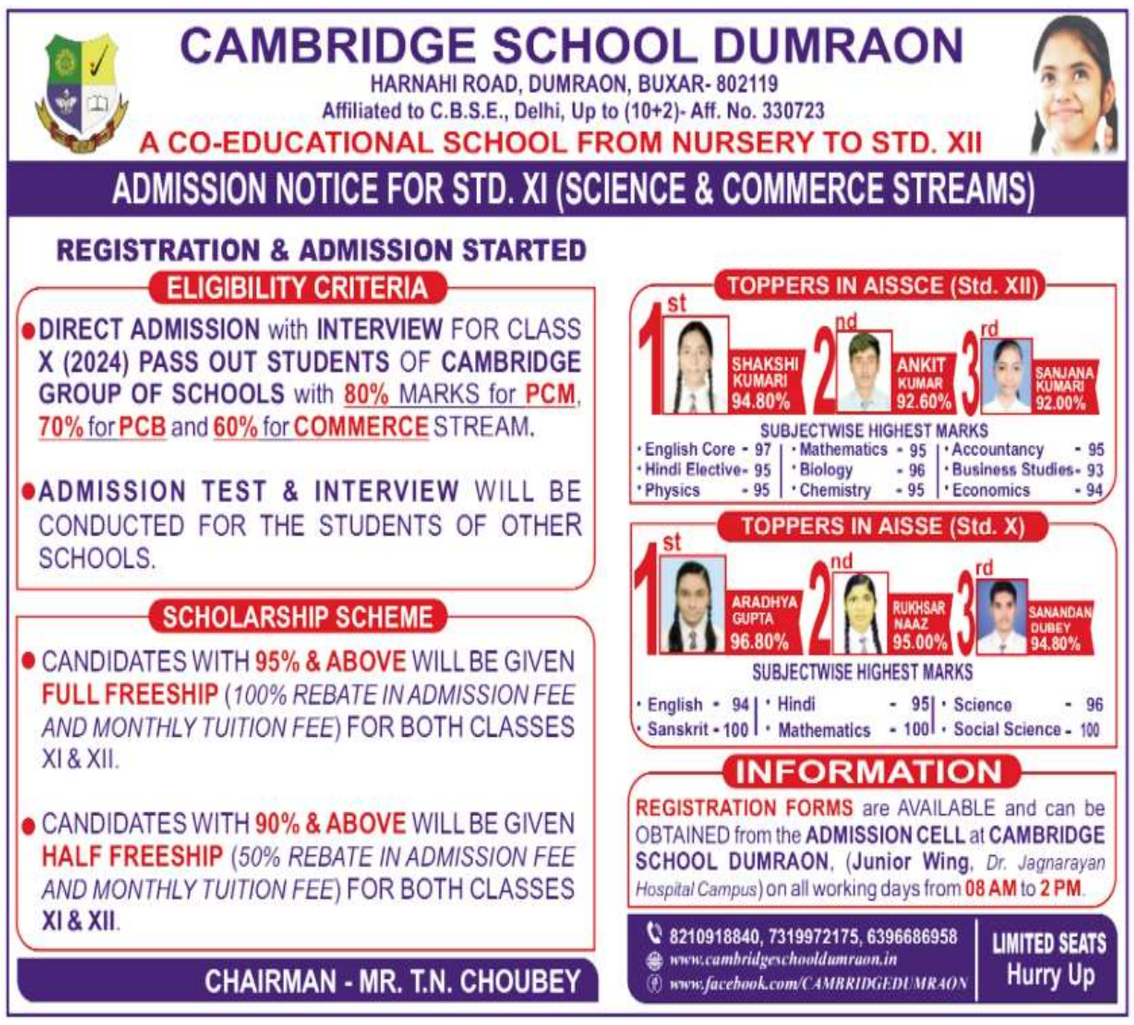
बेतिया। सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले आरोपियों के परिवार ने एक्टर से बेटे के लिए गुहार लगाई है। विक्की साहेब गुप्ता (24) की मां सुनीता देवी ने हाथ जोड़कर महाराष्ट्र सरकार और सलमान खान से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे को माफ कर दीजिए। इसके बाद उसे कभी भी दूसरे प्रदेश में काम लिए नहीं जाने देंगे। विक्की के पिता साहेब साह ने भी अपने बेटे की गुनाहों के लिए माफी मांगी है। विक्की के पिता काफी भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू निकल गए। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे विक्की को बहकाया गया है। जिन्होंने भी गुनाह करवाया भगवान उन्हें माफ नहीं करेगा। सलमान खान के घर फायरिंग हुई थी। सोमवार रात इस मामले में मुंबई पुलिस ने बिहार के बेतिया के रहने वाले विक्की साहेब गुप्ता (24) और सागर पाल (21) को गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारी गुजरात के भुज से की गई थी। मंगलवार की रात मुंबई पुलिस इन दोनों के गांव मसही आई थी। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से करीब चार घंटे तक पूछताछ की थी। इसके बाद टीम मुंबई के लिए रवाना हो गई। मामले में अभी पुलिस की जांच जारी है। विक्की के पिता साहेब साह ने कहा मैं किसान हूं और मेरा बेटा किसान है। घर से मजदूरी के लिए गया था। किसी के बहकावे में आकर उसने सलमान खान के घर पर गोली चली दी होगी। इसके लिए मैं खुद सलमान खान से माफी मांगता हूं। उनसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मेरे बेटे को माफ कर दें।

दो पक्षों में विवाद, फायरिंग, दो पर नामजद प्राथमिकी

राजपुर। रसेन गांव में गेहूं कटनी के दौरान अचानक हार्वेस्टर से निकली चिंगारी से आग लग गई। जिससे कई किसानों के गेहूं के खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। इस आग की घटना पर गांव में विवाद शुरू हो गया जहा दो पक्षों में तनाव उत्पन्न हो गया।जिसमें किसी एक पक्ष द्वारा दहशत फैलाने के नियत से हवाई फायरिंग कर दी गई। इसकी सूचना मिलते ही राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की तहकीकात की।







18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 3

निकली बाइक शोभायात्रा, एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम... की गूंज

केटी न्यूज/डुमरांव

श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम... कुछ ऐसे ही भक्ति गीत और नारे उन हजारों युवाओं में जोश भर रहे थे, जो प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष में आयोजित बाइक शोभायात्रा में शामिल हुए थे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के आह्वान पर डुमरांव के मां काली आश्रम प्रांगण से बुधवार की सुबह करीब 10:00 बजे निकली बाइक शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए वापस मां काली आश्रम में समाप्त हुई। शोभायात्रा में रथ में सवार होकर आगे आगे प्रभु श्री राम चल रहे थे तो पीछे-पीछे हजारों युवाओं की टोली। इस दौरान जय श्री राम जय श्री राम







के गगनभेदी नारे से डुमरांव की धरा गुंजायमान हो रही थी। सर पर भगवा पगड़ी बांधे युवा जब जय श्री राम का नारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे तो ऐसा लग रहा था मानो उनकी अगुवानी करने पूरा नगर उमड़ पड़ा हो। जिस इलाके से शोभायात्रा गुजर रही थी, लोग टकटकी लगाए उसे देख रहे थे और प्रभु श्री राम का स्मरण कर रहे थे।

शस्त्र पूजन के बाद निकली शोभायात्रा: शोभा यात्रा निकाले जाने से पूर्व शस्त्रों की मां काली मंदिर में विधिवत पूजा की गई। इसके बाद जिस रथ पर प्रभु श्री राम विराजे थे, उसकी आरती उतार, मंत्रोंच्चारण के साथ उसे पूजा गया। शंखनाद के बाद शोभायात्रा रवाना हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष विकास कुमार एवं बजरंग दल संयोजक संटू मित्रा ने किया। मौके पर लालजी, राजीव गुप्ता, रितेश गुप्ता, आशीष कुमार,गोलू कलवार, दीपक यादव, अभिषेक रंजन समेत हजारों युवक मौजूद थे।

प्रशासन रहा मुस्तैद: आचार संहिता के बीच निकाली गई शोभायात्रा प्रशासन के लिए किसी कड़ी चुनौती से कम नहीं थी। हालांकि प्रशासन ने पूरी मुस्तैदी से शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस मौके पर एसडीओ, एसडीपीओ, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे।

राममय हुआ डुमरांव... जय श्रीराम व जय हनुमान के उद्घोष से गूंजता रहा शहर

- डुमरांव में महावीरी झंडा पूजा समिति के तत्वावधान में निकाला गया विराट जुलूस
- राजगढ़ परिसर से निकला जुलूस, देखने को उमड़ी भीड़, चप्पे-चप्पे पर मौजूद रही पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार को शाम ढलते ही डुमरांव में जय श्रीराम व जय हनुमान के नारें गूंज उठे। अवसर था महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा रामनवमी के मौके पर आयोजित हनुमान जी की भव्य शोभा यात्रा व विराट जुलूस का। शहर के राजगढ़ परिसर से निकला यह जुलूस चौक रोड, स्टेशन रोड, राजगोला रोड, नया तालाब रोड होते हुए टेजनिंग स्कूल के पास पहुंच संपन्न हुआ। जुलूस में रथ पर आगे आगे राम दरबार व हनुमान जी की झांकी थी। वही पीछे से हाथी, घोड़ा, उंट के साथ हजारों लोग शामिल हुए थे। जुलूस का उद्घाटन महाबीरी झंडा पूजा समिति के सदस्यों के साथ ही बतौर अतिथि राज परिवार के महाराज चंद्रविजय सिंह, शिवांग विजय सिंह आदि ने किया। इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी, पूर्व मंत्री ददन पहलवान, पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय तथा असम कैडर के आईपीएस अधिकारी व बक्सर संसदीय क्षेत्र के निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले आनंद मिश्र भी मौजूद थे। आयोजन समिति ने इन सभी आगत अतिथियों के अलावे सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों तथा पत्रकारों को भगवा पगड़ी बांध सम्मानित किया। इसके पहले सुबह में छठिया पोखरा स्थित मंदिर पर परंपरागत तरीके से शस्त्र पूजा की गई थी। जुलूस जैसे जैसे आगे बढ़ रहा था, इसका कारंवां बढ़ते जा रहा था। वही जुलूस तथा झांकी को देखने के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा था। जगह जगह शहरवासियों द्वारा जुलूस में शामिल लोगों पर पुष्पवर्षा की जा रही थी। वही कई जगहों पर उनके लिए शरबत तथा अन्य अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। वही नगर परिषद द्वारा भी पूरे शहर की सफाई तथा सड़कों पर पानी का छिड़काव के अलावे जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के लिए जगज जगह पानी की व्यवस्था की गई थी। जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं व किशोर भी शामिल हुए थे। वही जुलूस में शामिल युवक कई तरह के करतब दिखा, लोगों का मनोरंजन कर रहे थे।









आकर्षण का केन्द्र रही झांकियां: इस जुलूस में कई तरह की झांकियों को शामिल गया था, जो आकर्षण का केन्द्र बनी रही। मिली जानकारी के अनुसार जुलूस में रामदरबार व वीर हनुमान की झांकियों के अलावे महाकाली की रक्तबीज वध की झांकी, महाकाल की झांकी, भूत पिशाचों की झांकियां, सूर्पनखा वध, रावण वध, राम-लखन की होली, अघोरी नृत्य, काली नृत्य, डमरू नृत्य वादन, अयोध्या का राममंदिर आदि को शामिल किया गया था। वही जलूस में प्रयागराज व जबलपुर का नगाड़ा समेत कई अन्य जगहों के वाद्य यंत्र, नृत्य मंडलियों आदि को शामिल किया गया था, जो आकर्षण का केन्द्र रहा। यह जुलूस देर रात तक जारी था। हालांकि, जुलूस में शामिल लोग काफी अनुशासित थे। शांतिपूर्ण जुलूस संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली।

चप्पे-चप्पे पर मौजूद थी पुलिस: रामनवमी पर निकाले जाने वाले भव्य जुलूस को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए अनुमंडल प्रशासन काफी सतर्क था। एसडीओ राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी खुद सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व कर रहे थे। जबकि डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार भी डुमरांव पहुंच इस जुलूस का निरीक्षण किए। वही डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा भी पूरे दल बल के साथ जुलूस की निगरानी करती रही। प्रशासन द्वारा इस जुलूस के निरीक्षण के लिए सीसीटीवी कैमरा का सहारा लिया गया था।





शोभायात्रा पर पुलिस की रही कड़ी नजर, प्रशासनिक अधिकारियों ने की निगरानी

डुमरांव। डुमरांव में बुधवार को निकले रामनवमी शोभायात्रा जुलूस की प्रशासनिक अधिकारियों ने कड़ी निगरानी रखी। सुबह काली आश्रम से विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के नेतृत्व में विशाल बाइक रैली निकाली गयी। फिर शाम को श्री महावीरी झंडा पूजा समिति के तत्वावधान में शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों के अलावे बाहरी राज्यों से आये कलाकरों के कलाओं को देख राम भक्त मंत्रमुग्ध हो गये। विधि व्यवस्था को लेकर विभिन्न चौक-चौराहों पर महिला व पुरुष पुलिस बलों की तैनाती मजिस्ट्रेट के साथ कि गयी थी। शोभायात्रा की निगरानी को लेकर पुलिस की गश्ती वाहन पूरे दिन सड़कों पर दौड़ती रहीं। एसडीओ राकेश कुमार, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, सीओ समन प्रकाश, बीडीओ संदीप पांडेय, इओ अनिरूद्ध कुमार, थानाध्यक्ष अनीशा राणा के अलावे अन्य प्रशासनिक अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर देर शाम तक मुस्तैद दिखे।

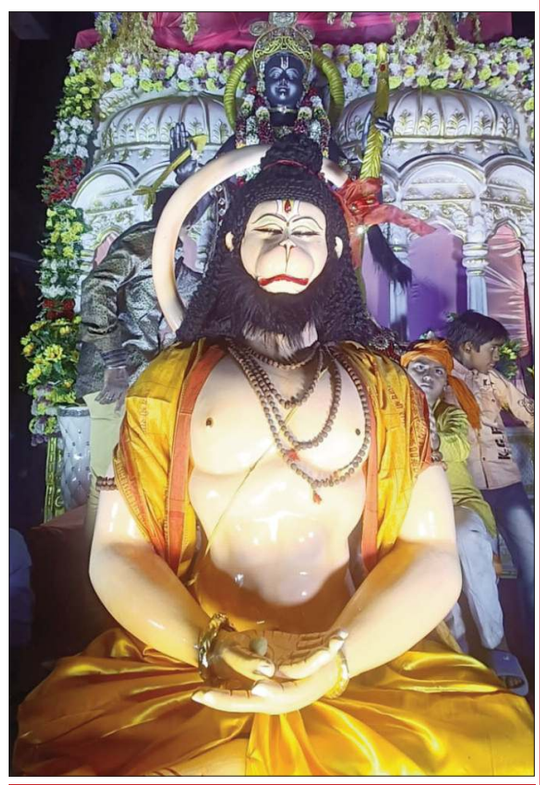
कैमरे की नजर से











सभी फोटो मनीष कुमार की।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 4

डालमिया नगर ड्रीम हाउस में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता के विजेता बने सुरेंद्र

केटी न्यूज/डेहरी

डालमिया नगर ड्रीम हाउस में आयोजित दया निधि श्रीवास्तव उर्फ भरत लाल मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम चक्र में डेहरी चेस क्लब के सुरेंद्र कुमार यादव 5 ने उत्कर्ष गर्ग 4 को हरा और विजेता बनें। जबकि प्रथम बोर्ड पर शीर्ष वरीयता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी आयुष कुमार शर्मा 4.5 एवं विभांशु मिश्रा 4.5 के बीच बाजी बराबरी पर रही। तीसरे बोर्ड पर संदीप कुमार 4 ने माधव मुकुंद 3.5 को हराकर चौथा एवं चार अंकों के साथ शंकर कुमार ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज तीन चक्र के मैच खेले गए। इस प्रतियोगिता में डीएवी कटार , डीएवी भड़कुड़िया ,मॉडल स्कूल डालमियानगर , डेहरी चेस क्लब ,औरंगाबाद, सासाराम नासरीगंज एवं राजपुर सहित जिले भर से चार दर्जन खिलाड़ियों ने शिरकत की। पांच मुख्य पुरस्कारों , नगद राशि एवं ट्रॉफी के अतिरिक्त साथ विशेष खिलाड़ियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। जिसमें 7 वर्षीय प्रियांश कर्ण को बेस्ट यंगेस्ट ब्वॉय , रवी कुमार सिंह को बेस्ट वेटरन एवं लबानी नारायण कश्यप को बेस्ट गर्ल के किताब से नवाजा गया। डेहरी चेस क्लब के विकास कुमार , डीएवी कटार के उत्कर्ष गर्ग एवं अभिनव मिश्रा को



बेस्ट उदीयमान खिलाड़ी के रूप में मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के समापन पर एक समारोह आयोजित कर मुख्य अतिथि डेहरी चेस क्लब के संरक्षक इंजीनियर विनय चंचल,अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार, बैंक अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा, गुड्डू चंद्रवंशी, संयोजक प्रो. रणधीर कुमार सिन्हा ने सभी विजेता प्रतिभागियों के बीच नगद राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि शतरंज एक माइंड गेम है और इससे बच्चों का मानसिक विकास होता है। शतरंज बच्चों के आईक्यू लेवल को बढ़ाता है। संरक्षक ने कहा कि खिलाड़ियों की उपस्थिति एवं उनके उत्साह को देखते हुए डेहरी चेस क्लब ने फैसला किया है कि आगामी अक्टूबर माह में एक राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। संचालन रोहतास जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष नंदकुमार सिंह ने की। जबकि संयोजक प्रोफेसर रणधीर कुमार सिन्हा ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं अभिभावकों बधाई दी। इस प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक की भूमिका रोहतास जिला शतरंज संघ के सचिव अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी एवं मान्यताप्राप्त आर्बिटर वेद प्रकाश सिन्हा की रही।

एक नजर

दो गोला चैता मुकाबला में रोहतास-बक्सर के बीच हुआ सुर संग्राम

बिक्रमगंज (रोहतास)। प्रखंड के नोनहर गांव के मां काली मंदिर प्रांगण में मंगलवार की शाम दो गोला चैता गायन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन।



आजाद कला मंदिर नोनहर के तत्वावधान में संविधान निमार्ता डॉ० भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव पर मंगलवार की शाम दो गोला चैता गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह, राजद प्रदेश महासचिव श्रीनिवास सिंह, रामचन्द्र नट, नंदजी सिंह, पूर्व जिला पार्षद मनोज सिंह, मुखिया मनोज राम, पूर्व मुखिया जवाहर सिंह, मुखिया प्रतिनिधि मिक्की राज मेहता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। अवसर पर आयोजक मंडल ने सभी कलाकारों और अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। दो गोला चैता गायन प्रतियोगिता बक्सर और रोहतास के टीम के बीच हुआ। बक्सर टीम की ओर से व्यास के रूप में अंसारी गांव अमरेश भारती थे। जबकि रोहतास टीम की ओर से दिनारा प्रखंड के गौरा निवासी व्यास नारद मुनि पासवान थे। मुकाबला में दोनों व्यासों ने एक से बढ़कर एक चैता गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरबिंद पासवान, मुन्ना पासी, डब्लू पासवान, हिरदया पासवान, प्रेमचंद पासवान, सुरेन्द्र पासवान, अनिल पासवान सहित कमिटी अन्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन संजय सिंह कर्मयोगी ने किया। मौके पर मंटू राय, सुशील भारती, उमेश कुमार सिंह, जितेन्द्र पासवान, रामाधार पासवान, सुरेश पासवान, रासबिहारी पासवान, मुन्ना पासवान, राहुल सिंह, उमाशंकर साह, जयप्रकाश सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

चैता गायन सुर पर देर रात झूमे श्रोता

नोखा (रोहतास)। थाना क्षेत्र के तराड़ गांव स्थित चैता गायन का हुआ आयोजन। कार्यक्रम का शुभारंभ राम जी व्यास ने सुर होख न सहईया ए राम राग छेड़ कर किया। जिस आयोजन में देर रात तक विभिन्न चैता गीत पर श्रोता झूमते रहें। अवसर पर चैता टीम के सभी कलाकारों को फूल माला पहना अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। मौके पर विजय कुमार,देव कुमार, पवन कुमार,रवि कुमार,ललन सिंह,उपप्रमुख कैलाश पासवान, समाजिक कार्यकर्ता विजय सेठ, अमित कुमार सहित ग्रामीण जनता मौजूद थे।



नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट में कृपा गांव को हराकर राम डिहरा की टीम बनी विजेता

तिलौथू (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र के राम डिहरा गांव स्थित खेल ग्राउंड पर नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन हुआ। इस अवसर पर आयोजनकर्ता विशाल कुमार ने विभिन्न टीमों के सभी खिलाड़ियों से मिलते हुए टूनार्मेंट का फीता काट शुभारंभ किया। जिसका फाइनल मुकाबला कृपा गांव बनाम राम डिहरा के बीच खेला गया। जिस मुकाबले में राम डिहरा की टीम टूनार्मेंट विजेता बनी। अवसर पर मुख्य अतिथि आशुतोष सिंह व विशाल कुमार ने विजेता टीम को ट्रॉफी देते हुए सभी खिलाड़ियों को मेडल पहना सम्मानित किया। साथ ही उपविजेता टीम के भी सभी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर मुखिया विनोद चंद्रवंशी,परशुराम सिंह, भूतपूर्व सब इंस्पेक्टर रणजीत सिंह,संजय रविदास,अमित पाठक आदि शामिल थे।

खबरें फटाफट

चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़

बिक्रमगंज (रोहतास)। अनुमंडल क्षेत्र में चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन



बुधवार को देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने देवी मंदिरों में पूजन-हवन के उपरांत कन्याओं को भोज कराया। अंतिम दिन शहर के धनगाई, सासाराम रोड, तेंदुनी काली मंदिर धारूपुर मां काली सहित अन्य देवी मंदिरों में भक्तों ने मां की पूजन-अर्चन की। वहीं दिनारा प्रखंड के मां यक्षिणी भवानी के दरबार में भी मां के भक्तों की काफी भीड़ देखी गई। भक्तों ने माता रानी के दरबार में हाजिरी लगाकर सुख, शांति और वैभव प्राप्ति की कामना की। इस दौरान मंदिर में माता रानी का दर्शन और पूजन करने के लिए बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पहुंची थीं। वहीं इस मौके पर शहर के विभिन्न इलाकों में मेला में लगी दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। उक्त अवसर पर भी अनेक श्रद्धालुओं ने कन्याभोज के साथ भंडारा भी कराया।

सात आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

डिहरी (रोहतास)। जिला में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर अपराधियों व शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने विभिन्न कांडों के सात आरोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया। रोहतास एसपी विनीत कुमार के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में हत्या के प्रयास, एस सी एस टी चोरी, वारंटी व शराब तस्करी के आरोपित शामिल है। तीन शराब तस्कर गिरफ्तार किए गए। इनके पास से पांच लीटर लीटर देशी शराब बरामद किया गया। एक स्कार्पियो भी जब्त किया गया।

बिक्रमगंज काली मंदिर से प्रारंभ होकर शोभायात्रा ने पूरे शहर में किया भ्रमण

जय श्रीराम के उद्घोष के साथ निकली मर्यादा पुरुषोत्तम की भव्य शोभायात्रा

- एसडीएम व एसडीपीओ के नेतृत्व में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ जुलूस
- प्रशासन द्वारा सुरक्षा का दिखा पुख्ता इंतजाम

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंडों के शहरी व गांवों में बुधवार को शांतिपूर्ण माहौल में अनुमंडल प्रशासन की देख रेख में श्रीराम शोभायात्रा संपन्न हुई। रामनवमी पर्व के मौके पर एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम, जय श्री राम एवं जय माता दी के उद्घोष से पूरा शहर गूंज उठा। शहर के पूजा समिति के तत्वावधान में लगभग 3 बजे शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ तेंदुनी चौक काली मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे शहर में भ्रमण किया। जिस यात्रा में हजारों की संख्या में भगवाधारी महिला, पुरुष व बच्चे उत्साहित होकर गाजे-बाजे के साथ भगवा श्री राम का झंडा लिए राम भक्तों ने जय श्री राम के जयघोष लगा रहे थे। साथ ही रथ पर सवार भगवान श्री राम, माता सीता व लक्ष्मण जी सहित पवन पुत्र हनुमान जी महाराज की भव्य झांकी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा में दर्जनों घुड़सवार भक्तों ने भी कला का कर्तव्य दिखाया। वहीं जगह-जगह पर लोगों के द्वारा





सुरक्षा व्यवस्था में चौकस दिखा प्रशासन



शोभायात्रा के दौरान अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था चौकस दिखा। वही चप्पे-चप्पे पर दंडाधिकारी ,पुलिस अफसर एवं जवान ड्यूटी में मुस्तैद देखे गए। यात्रा शुरू होने से पूर्व एसडीएम अनिल बसाक और एसडीपीओ कुमार संजय ने स्वयं रुट में घूमकर विधि-व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही साथ सभी जगहों पर पुलिस बल मुस्तैद दिखी। दूसरी तरफ शोभायात्रा देखने के लिए सड़कों पर राम भक्तों का जन सैलाब देखने को मिला। जिसे देखने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों सहित शहरी इलाकों से हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

शर्बत, पेयजल का व्यवस्था किया गया था। शोभायात्रा के दौरान हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए अनुमंडल प्रशासन की ओर से ड्रोन कैमरा से भी नजर रखी गई । प्रत्येक चौक-चौराहे पर तैनात मुस्तैदी से सभी पुलिस बल को लगाया गया था ।

12 घंटे का दो गोला अखंड संकीर्तन आयोजित

काराकाट (रोहतास)। काराकाट प्रखंड के मोथा पंचायत के संसारडिहरी गांव में मां काली मंदिर प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ 12 घंटे का दो गोला अखंड संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिस में प्रभु श्री राम मां सीता, राधे-कृष्णा गायन से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। दो गोला कार्यक्रम में कौपा बनाम बेरई गांव के बीच हुआ सुर संग्राम।
जिसमें कौपा कीर्तन टीम के व्यास रजनीश पांडेय और बेरई कीर्तन मंडली टीम के व्यास चंद्रवंश तिवारी ने अपने-अपने संकीर्तन से श्रोता के भाव विभोर किया। मौके पर पुस्कर पांडेय,कृष्णा पाण्डेय, रामाकांत पांडेय,अभिनय पांडेय, मुन्ना पांडेय, बड़क बाबा, रामानुज पांडेय, पूर्व सैनिक मनोज कुमार पांडेय, पूर्व सैनिक अखिलेश पांडेय, दिनेश पांडेय,रजनी कान्त पाण्डेय,रविकांत पांडेय सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ पूजन को लेकर निकली जलभरी शोभायात्रा

केटी न्यूज/काराकाट (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोथा के आदर्श ग्राम रघुनाथपुर में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की शुरूआत भव्य जलभरी शोभायात्रा से हुई। जिस शोभायात्रा में हजारों-हजार की संख्या में महिला,पुरूष,युवक,बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जहां श्रद्धालुओं ने जय श्रीमन्नारायण के जयकारे लगाते नजर आए। उ उस वक्त का माहौल चहुंओर भक्तिमय दिखाई दिया। वही श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर भारत के महान संत श्री त्रिदंडी स्वामी महाराज के परम शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी महाराज के निर्देशन में निकाली गई। जो रघुनाथपुर यज्ञ मंडप से शुरू होकर मुख्य पथ के रास्ते बिरैनी गांव होते हुए जयश्री सूर्य मंदिर नहर तक पहुंची। जहां शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने महायज्ञ में पधारे विद्वतजनों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के उपरांत कलश में जल भरा। शोभायात्रा में हाथी, घोड़े,ऊंट के साथ गाजे-बाजे से अद्भुत नजारा देखने को मिला। रघुनाथपुर गांव यज्ञ



मंडप से निकली जलयात्रा सह शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का विभिन्न जगहों पर स्थानीय लोगों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर प्रेमानन्द महाराज उपाध्याय,यज्ञ समिति अध्यक्ष जितेंद्र पांडेय, उपाध्यक्ष मोथा पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, रजिंद्र पांडेय ,सुशील पांडेय,पिंटू सिंह ,शत्रुंजय सिंह ,भोला पांडेय ,अजय पांडेय ,पूर्व सरपंच भरथ राम,दिनेश सिंह ,विजय साह ,रामनारायण पांडेय, अरविंद पांडेय,रामाकांत पांडेय,दीपक पांडेय, हरेराम सिंह, भाजपा नेता अखिलेश्वर पांडेय, नंदे सिंह, सुनील पांडेय ,शेष नाथ पाण्डेय,रंजय तिवारी सहित सैकड़ों लोग शोभायात्रा में भाग लिया।

मेरे सामने कोई राबड़ी देवी और मीसा के बारे में अपशब्द बोलता तो बर्दाश्त नहीं करता: चिराग

केटी न्यूज/जमुई

बिहार के जमुई जिले में मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान भावुक हो गए। उन्होंने लोजपा प्रधान कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि मेरे सामने अगर कोई आदरणीय राबड़ी देवी और बहन मीसा भारती के बारे में ऐसा बोलता तो मैं बर्दाश्त नहीं करता। चिराग ने कहा कि जो व्यक्ति अपने परिवार के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता. वो अपने लोकसभा की, अपने क्षेत्रवासियों की क्या रक्षा कर पाएगा। जो महिलाओं का ही सम्मान नहीं करता वो अपने क्षेत्र के और प्रदेश के सम्मान की क्या ही रक्षा करेगा।



दरअसल, जमुई में राजद नेता तेजस्वी यादव की चुनावी सभा में राजद कार्यकताओं द्वारा लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान और उनके परिवार को अपशब्द कहे जाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि तेजस्वी यादव के व्यवहार से दुखी हूं।
वहीं, मोदी के हनुमान वाले सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही आप सबों के सामने मुझे छोटा भाई कह दिया है। पीएम मोदी के प्रति मेरा समर्पण भाव सबसे सामने है। मैं उनका बात और सम्मान अपने हर बातों में एक्सप्रेस कर ही देता हूं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमको गले लगाकर हमको अपना छोटा भाई बनाकर, हमने कभी इसकी दुहाई नहीं दी। लेकिन हमने इसका सम्मान हमेशा रखा है। मेरे लिऐ मेरे परिवार के लिऐ सबसे कठिन समय में प्रधानमंत्री सबसे मजबूत स्तंभ बनकर मेरे साथ खड़े रहे हैं।

भ्रमण नवादा सीट पर बिहार के उपमुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा दांव पर

केटी न्यूज/पटना

लोक जनशक्ति पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नवादा सीट पर अपना प्रत्याशी दिया, लेकिन मुद्दा जस का तस है। नवादा ने भाजपा से गिरिराज सिंह को कभी सांसद बनाया, फिर लोजपा के चंदन सिंह को बनाया। दोनों ही बाहरी थे। इस बार विवेक सिंह के साथ भी यही चर्चा है। नवादा में खेल बहुत रोचक हो गया है। महागठबंधन अपने संकटों में घिरा है और समाधान नहीं निकाल सका है। दूसरी ओर, भाजपा सामने खड़े राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी की जाति के वोटरों को साथ लाने में विफल दिख रही है। जैसे गिरिराज आए-गए, उसी तरह चंदन सिंह के बारे में विचार है। इसकारण लोगों की जुबान पर उनके रहने या नहीं रहने की कोई बात नहीं होती सुनाई देती है। हां, भाजपा प्रत्याशी को जगह-जगह यह जरूर बताना पड़ता है कि वह क्यों बाहरी नहीं हैं और पिछले सांसद की किन खामियों का समाधान वे निकलने को तैयार है। राजद के विनोद यादव यहां दोनों प्रत्याशियों के मुकाबले कम चर्चा में नहीं हैं। यह चुनाव उनके जीने-मरने का सवाल बन गया है। उनके धुर विरोधी गुट के श्रवण कुमार कुशवाहा को राजद ने टिकट दे दिया। वह पांच-सात करोड़ में राजद का टिकट बिकने की बात भी कह चुके हैं। महागठबंधन भले कुछ दावा करे, लेकिन विनोद यादव ने राजद के वोट बैंक का ठीकठाक हिस्सा प्रभावित किया है। यह भूमिहार बाहुल लोकसभा सीट है। इसलिए, एनडीए में अमूमन इसी जाति पर दांव खेला जाता है। इस बार विवेक ठाकुर भी इस समूह से आए हैं। भाजपा से भूमिहारों की नाराजगी का असर इस कारण से निष्प्रभावी दिखता ही है, एक और बात यह भी है कि राजद के प्रत्याशी श्रवण कुमार कुशवाहा को इस जाति के लोग पसंद नहीं करते हैं। मतलब, भाजपा के लिए यह सोने पर सुहागा वाली स्थिति है। वैसे, भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह ने निर्दलीय उतरकर भाजपा के इस वोट बैंक को नुकसान पहुंचाने की भरपूर कोशिश की है।





18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 5

यूपीएससी परीक्षा में दो होनहार युवकों ने जिले का नाम किया रोशन

- एक हवलदार तो दूसरा बिजनेसमैन का बेटा
- जयबिन्द ब आफताब का आईपीएस में होगा चयन
- जयबिन्द कुसौरा आफताब गोठहुली के है निवासी

केटी न्यूज/बलिया

संघ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। जिसमें लिस्ट में 1016 उम्मीदवारों ने जगह बनाई है, उसमें उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया के कुसौरा गांव निवासी जयबिन्द कुमार गुप्ता और ईश्वरपुरा गोठहुली के आफताब भी शामिल है। जिन्होंने परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया है। आपको बता दे कि आईआईटी मुम्बई से भू-विज्ञान से एमएससी करने वाले जयबिन्द का चयन बतौर आईपीएस हुआ है। इनके पिता जयराम गुप्ता आसाम पुलिस में हवलदार है, जबकि मां मीरा गुप्ता गृहणी है। जयबिन्द ने सनबीम वाराणसी से इंटरमीडिएट तथा बीएचयू वाराणसी से बीएससी किया है। इसके बाद जयबिन्द ने आईआईटी मुम्बई से भू-विज्ञान से





एमएससी किया। हालांकि उसका रूझान हमेशा सिविल सेवा की ओर रहा। इसी को लक्ष्य मानकर जयबिन्द ने तैयारी की और उन्हें सफलता भी मिल गई। तीन भाई व एक बहन में जयबिन्द सबसे छोटे है। जयबिन्द का लक्ष्य आईपीएस ही था। जिसे उन्होंने दूसरे प्रयास में प्राप्त कर लिया। उन्होंने परीक्षार्थियों को बताया कि कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं होता, जरूरी है उसके प्रति ईमानदारी की। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वयं के प्रति ईमानदार रहना होगा। उधर, जिला मुख्यालय से सटे ईश्वरपुरा (गोठहुली) निवासी आफताब आलम पुत्र मकबूल अंसारी ने कड़ी मेहनत के बल पर परिवार के साथ पूरे जनपद का नाम रोशन किया है। इनका सूची में 512वी रैंक है। आफताब इस कामयाबी के पीछे अपने पिता मकबूल अंसारी, माता शकीला खातून एवं भाई मोहम्मद महताब आलम को श्रेय दिया है। कहा कि आज आप सबके सपोर्ट के चलते इस कामयाबी को हासिल कर पाया हूं। इनके पिता पेशे से बिजनेसमैन है। इनकी चित्तू पांडेय के पास ओवरब्रिज के नीचे बाइक के स्पेयर पार्ट्स की दुकान है। आफताब ने बताया कि वह आठवीं तक की शिक्षा सेंट थॉमस स्कूल बलिया में ग्रहण किया। इसके बाद हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की शिक्षा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से प्राप्त किया। जबकि इंदौर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग आईआईटी किया है। वही यूपीएससी की तैयारी जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली से किया। बताया कि उसने यह मुकाम दूसरे प्रयास में हासिल की है। उन्होंने परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं सभी परीक्षार्थियों से अपील किया कि कोई भी मुकाम हासिल करना कठिन नहीं होता है।

एक नजर

आग लगने की जानकारी पर पहुंचे मुगलसराय विधायक

चंदौली। सदर ब्लॉक के ग्राम सभा खुरुहुजा में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने से सैकड़ों बीघा खेतों में कटा हुआ गेहूं जल कर खाक हो गया,गेहूं में आग लगने की सूचना जैसे ही मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल को हुई तुरंत जिले के आलाधिकारियों से वार्ता करते हुए मौके पर पहुंचे स्थानीय किसान गेहूं की फसल जल जाने से काफी आक्रोशित थे,इस पर विधायक ने आक्रोशित किसानों को समझा बुझाकर शांत किया किसानों का आरोप था की 2 घंटे से आग लगी है अभी तक अ वहग्नि शमन की गाड़िया नही आई,विधायक रमेश जायसवाल ने तुरंत अग्नि शमन के अधिकारियों से वार्ता कर गाड़िया मंगवाकर आग पर काबू पाए ,मौके पर किसानों के सामने ही नायब तहसीलदार, कानून गो,लेखपाल को निर्देशित किया की किसी भी किसान नुकसान न हो मौके पर सभी किसानों की जले हुए फसल की फोटोग्राफी कराकर उसे उसका मुवावजा दिलवाए, विधायक रमेश जायसवाल ने जिलाधिकारी से भी वार्ता कर किसानों की जली हुई फसल का जल्द से मुवाबजा दिलवाने की बात कही इस अवसर पर सथनीय किसानों की भीड़ जमी रही।।

मां सिद्धिदात्री को पूजा, कन्याओं को कराया भोजन



चंदौली। आदिशक्ति की उपासना का महापर्व नवरात्र के नौवें दिन बुधवार को भक्तों ने मां के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की। घरों में देवी स्वरूप नौ कन्याओं को बुलाया और पूजा अर्चना कर भोजन कराया। व्रत के अंतिम दिन घरों में हवन पूजन कर व्रत का समापन किया गया। देवी मंदिरों पर भी मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना के लिए भक्तों की कतार लगी। दिन भर देवी मंदिर पर माता के जयकारे लगते रहे।चैत्र नवरात्र के महानवमी पर घरों में पूजन अर्चन की तैयारी पहले से ही शुरू हो गई थी। घरों में पुरोहितों को बुलाकर मां के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री का आह्वान कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। मां को वस्त्र, धूप, दीप, नारियल, फल, मेवा, पकवान आदि अर्पित किया। मां की भव्य आरती उतारी गई। वहीं मां के बीजक मंत्र, दुर्गा सप्तशती के मंत्रों से हवन कर व्रत का समापन किया। इसके बाद घरों में नौ कन्या को बुलाया गया। एक बालक को को भैरव के रूप में आसन पर बैठाया गया। यहां कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। इसी तरह देवी मंदिरों पर भी सुबह से ही दर्शन पूजन के लिए भक्तों की कतार लगी। नगर के कैलाशपुरी, नई वस्ती, रविनगर, जीटी रोड, शाहकुटी, न्यू महाल, काली महाल, गल्ला मंडी, एलबीएस कटरा चतुर्भुजपुर, आरपीएफ कॉलोनी, गया कालोनी सहित विभिन्न इलाकों में देवी मंदिरों पर पहुंच कर भक्तों ने दर्शन पूजन किए।नगर के सुभाष नगर स्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर में देवी उपासक प्रमिला मिश्रा ने नवरात्रि अनुष्ठान के नौवें दिन कन्या पूजन किया। इस मौके पर आयोजित भंडारे में भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर संजय मिश्रा, डॉ. प्रतिभा मिश्रा, श्रेया मिश्रा, मनजीत मिश्रा, जानवी राय, पूजा राय, शिखा सिंह आदि उपस्थित रहे।

किन्नर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के राजेंद्र नगर मोहल्ले में मंगलवार की देर रात्रि एक किन्नर ने पंखे के हुक में फांसी का फंदा बनाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक किन्नर लखनऊ का निवासी बताया जा रहा है। जिसके परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दिया है। परिजन बलिया के लिए रवाना हो चुके हैं। आपको बता दें कि लखनऊ निवासी किन्नर बिन्नी पांडेय 29 वर्ष शहर कोतवाली क्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी रीता वर्मा की मकान में किराए पर कुछ सालों से रहता थी, जहां उसने मंगलवार की रात करीब ढाई बजे के आस पास उसने अपने कमरे में पंखे के हुक में फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया। उसने आत्महत्या क्यों किया, इसका पता नहीं चल सका है। उधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को नीचे उतरवाया तथा पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों कहना है कि किन्नर का किसी से कोई विवाद नहीं था। वह बहुत ही शांत स्वभाव की थी। उसके यहां किसी का आना-जाना भी नहीं था। वहीं पुलिस का कहना है कि पुलिस हर बिन्दू पर जांच कर रही है।

खबरें फटाफट

जहूराबाद में मतदाता महोत्सव का आयोजन

गाजीपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश के क्रम में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2019 में जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता जागरूक किए जाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विधान सभा जंगीपुर में किया गया। रैली को उपजिलाधिकारी सदर प्रखर उत्तम ने हरी झंडी दिखाकार रवाना किया। यह विधान सभा जंगीपुर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते तथा हाथों में तख्ती लिए हुए लोकतंत्र की यह पहचान मत, मतदाता और मतदान, सारे काम झोड़ दो सबसे पहले वोट दे, के गगनचुंबी नारों के साथ एक जून मतदान दिवस को शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए अपील किया गया।

लगी आग से पशु सहित सामान जला

चंदौली। सकलडीहा कोतवाली क्षेत्र के नोनार तुलसी आश्रम गांव में अज्ञात कारण से मड़ई में बुधवार को आग लगने से एक भैस एक बछड़ा और दो बकरी सहित डेढ़ से दो लाख का सामान व खाद्यान जलकर खाक हो गया। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीणों ने अथक प्रयास कर आग पर काबू पाया। सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार अमित सिंह ने घटना और नुकसान के बारे में जानकारी लिया।

अल्पमत की सरकार में बाबरी मस्जिद विवाद को सुलझाने का किया था प्रयास

चंद्रशेखर यूं ही नहीं कहलाये लास्ट आइकॉन ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स

- चन्द्रशेखर जिन्होंने अपने नाम से अपना सरनेम सिंह हटाकर प्राचीन क्षत्रिय परम्परा को स्थापित किया

तिलक कुमार/बलिया





क्या खास है आज। क्यूं आज का दिन नम कर रहा है इन आंखों को, क्यूं सिने की कसक कुछ याद करके रोता भी है और गर्व से मदमाता भी है। क्यूं याद आती है सजदे में उस शख्स की वो दाढ़ी वाली तस्वीर, जो युवाओं को कुछ कर गुजर जाने का हौसला देती है। क्या है इस बागी बलिया की मिट्टी में क्यूं है बागी कि महक हमारे वजूद में, क्यूं इस मिट्टी के सपूत ने राजधानी दिल्ली से नहीं, बल्कि गांव के कुटिया से संचालित होने वाले देश की कल्पना की थी, क्यूं आज इस भूमंडलीकरण में उस शख्स की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है, क्यूं हरिबंशजी ने उस महान विभूति को भारतीय राजनीति का लास्ट आइकॉन कहा, क्यूं याद करूं उस युवा तुर्क को, हां वही चन्द्रशेखर, जिन्होंने अपने जीवनकाल में अपने उसूलों से समझौता नहीं किया और वैसे पदों को ठोकर मार दिया, जिसके लिए आज के राजनयिक हद से गुजर जायें। वहीं, चन्द्रशेखर जिन्होंने अपने नाम से अपना सरनेम सिंह हटाकर प्राचीन क्षत्रिय परम्परा को स्थापित किया कि जन्म से कोई सिंह नहीं होता, बल्कि कर्म से होता है। कभी भी लिखित भाषण को नही पढ़ा। मात्र चार महीने की अल्पमत की सरकार में राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद को सुलझाने के लिए राम मंदिर बनाने का गम्भीर प्रयास किया, जिसको सफल नहीं होने देने के लिए उनकी सरकार से समर्थन वापस लिया गया। पहले राजीव गांधी ने चन्द्रशेखर सरकार से समर्थन वापसी के लिए धमकी दी, पर चन्द्रशेखर धमकी से कहां डरने वाले थे। बिगुल के तान पर नये मानदंडों को राजनीति के गलियारे में स्थापित कर गये और कहा कि एवरेस्ट फतह की जाती है न कि वहां आशियाना बनाया जाता है। फिर उनसे प्रधानमंत्री बने रहने के लिए विनती की गई, परन्तु चन्द्रशेखर एकबारगी ना कह देने पर कहां मानने वाले थे। यदि चंद्रशेखर जी ऐसा कर देते तो वह फिर चंद्रशेखर क्या कहलाते और न ही उन्हें आज लास्ट आइकॉन ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स कहा जाता।

97वीं जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर

बलिया। जनपद के आखिरी छोर पर स्थित इब्राहिमपट्टी में जन्में, भारतीय राजनीति में युवा तुर्क के नाम से विख्यात, लोकसभा क्षेत्र बलिया से आठ बार सांसद रहे देश के प्रधानमंत्री चंद्रशेखर बुधवार को अपनी 97वीं जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए। उनके आवास चंद्रशेखर नगर स्थित झोपड़ी पर उन्हें बहुत ही विनम्र अंदाज में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रनायक चंद्रशेखर मैराथन समिति ने यह आयोजन किया। राष्ट्रनायक चंद्रशेखर मैराथन समिति द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में जनपद के सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। सबसे पहले लोगों ने एक-एक कर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया। उसके बाद संकल्प संस्था के मिट्ठू यादव ने बहुत ही प्यारा भजन प्रस्तुत किया। घंटे भर चले भजन आयोजन के बाद वक्ताओं ने अपनी बात कही। कहा कि चंद्रशेखर देश के महान राजनेता और खांटी समाजवादी थे। वह साहस और सत्य के प्रतिमूर्ति थे। उन्होने अपने सिद्धांतो से कभी समझौता नहीं किया। आज के युवाओं को चन्द्रशेखर के आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को आत्मसात किए बगैर देश और समाज का कल्याण नहीं है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य नागेंद्र पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष जय प्रकाश साहू, भाजपा जिला मंत्री प्रदीप सिंह, विजेंद्र राय, रियाजुद्दीन राजू, सोनी तिवारी अरुण सिंह प्रवीण सिंह कांकुड़ी बबलू सिंह अजय सिह संतोष वर्मा गौतम सिंह अमित गिरि शशिकांत ओझा, मानवेन्द्र सिंह, विजय सिंह, देवेंद्र सिंह मिंटू, राकेश सिंह टिंकू, डा. मनीष सिंह, नीतेश सिंह, किसान संतोष सिंह, सिद्धार्थ सिंह गोलू, अदालत सिंह, गुड्डू राय, रणजीत सिंह मंटू, राजीव उपाध्याय, गणेश सिंह, अमरेंद्र, अभय सिंह, हिमांशू सिंह, बंटी सिंह आदि मौजूद रहे। मैराथन समिति के सुधीर कुमार रणजीत सिंह मंटू राजीव उपाध्याय, मनोज शर्मा, प्रदीप यादव, आशीष त्रिवेदी, रुस्तम अली, संतोष सिंह, अवधेश यादव, ने सभी का अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन उमेश सिंह ने किया।

खुरुहजा गांव में 25 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख

- तेज हवा के झोंके कर रहे आग में घी डालने का काम

केटी न्यूज/चंदौली



सदर विकास खंड के खुरुहजा गांव में बुधवार को विद्युत पोल की शार्ट सर्किट से किसानों की लगभग 25 बीघे की खड़ी गेंहू का फसल जलकर राख हो गया। आनन फानन में मौके पर पहुचे ग्रामीणों ने आग को काबू करने का प्रयास किया। लेकिन, हवा के तीव्र गति के साथ आग पूरे खेत की अपने आगोश में ले जा रही थी। ग्रामीणों ने तत्काल अगलगी की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी लेकिन मौके पर फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक किसानों का 25 बीघे की फसल जलकर राख हो गई। घटना के दौरान मौके पर पहुचे आलाधिकारियों ने लेखपालों को निर्देश दिया। कि जल्द से जल्द रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज जाए। दरअसल प्रचंड गर्मी के कारण खेत के ऊपर से गुजरे विद्युत तारों से चिंगारी निकल रही है। जिसके कारण खेतो में आग लग जा रही है। और किसानों की पूरी फसल जलकर बर्बाद हो जा रही है। इससे किसान अपने परिवार का भरण पोषण करने में असमर्थ हो जा रहे हैं। खुरुहजा गांव के अगलगी में चंदन सिंह 15 बीघे व रबिन्द्र सिंह का 10 बीघे गेहूं की फसल के साथ बबलू सिंह का 20 बोझा चना बाडू सिंह का खेत में रखा भूसा जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने लेखपाल से तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत कर शासन को भेजने का निर्देश दिया। सदर तहसीलदार अजित सिंह ने बताया कि खुरुहजा गांव में खेतों के सर्वे कराया जा रहा है जल्द ही रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजा जागेगा। खुरुहजा गांव के खेत में लगे लगे भीषण आग की देखकर वहां मौजूद हर कोई सहम गया जब आग तेज हवा के साथ सड़क को पार कर दूसरे खेत को अपने आगोश में ले रही थी। मौके पर किसान अपने खेत में लगे आग को बस भीगी आखों से देख रहे थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच निकली मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा



केटी न्यूज/ गाजीपुर

सुहवल गांव में बुधवार की शाम कड़ी सुरक्षा के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान वो गलि मोहल्ले से लेकर गांव तक गाजे-बाजे के साथ लोग भक्ति धून पर पताका लेकर जयघोष करते हुए चल रहे थे, शोभायात्रा में रामभक्तों की उमडी भारी भीड़ तेज धूप व गर्मी के बावजूद महिला,पुरूष से लेकर छोटे छोटे बच्चे व अन्य श्रद्धालु इसमें शामिल हुए।जय श्रीराम, हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा इलाका गूंज उठा ,जिससे कि क्षेत्र पूरी तरह से राममय हो गया, रामजी की निकली सवारी, रामजी की लीला है. न्यारी, श्रीराम जी चले न हनुमान के बिना सहित अन्य भजनों के बीच भक्त झूम रहे थे।पूरे शोभायात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट था पुलिस से लेकर खुफिया तंत्र सहित प्रशासनिक अमला सुरक्षा में मुस्तैद रहा, पल पल की रिपोर्ट आलाधिकारियों दे रहा था ।

ट्रेनों में इन दिनों यात्रियों को नहीं मिल रहीं सीटें

गर्मी के मौसम में नौ जोड़ी स्पेशल ट्रेन यात्रियों को पहुंचाएंगी राहत

केटी न्यूज/चंदौली

गर्मी में महानगरों को जाने वाली ट्रेनों में जगह नहीं मिल रही रही है। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रेलवे गुजरात के बलसाड़, उधना, अहमदाबाद, राजकोट, साबरमती के लिए नौ जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चला रही है। दानापुर, पटना और बरौनी से ट्रेनों का परिचालन होने से यात्रियों को राहत मिलेगी। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुणे-दानापुर सुपरफास्ट स्पेशल पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज, जबलपुर, भुसावल के रास्ते चलने वाली पुणे से 18, 21, 25 एवं 29 अप्रैल की सुबह 06.30 बजे खुलकर अगले दिन 12.00 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी दानापुर से 19, 22, 26 एवं 30 अप्रैल को 13.30 बजे खुलकर अगले दिन 19.45 बजे पुणे पहुंचेगी। इसी तरह पुणे-दानापुर अनारक्षित स्पेशल पुणे से 20, 24 एवं 28 अप्रैल की रात 19.55 बजे खुलकर तीसरे दिन 04.30 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन दानापुर से 22, 26 एवं 30 अप्रैल की सुबह 06.30 बजे खुलकर अगले दिन 17.35 बजे पुणे पहुंचेगी। बलसाड-दानापुर स्पेशल बलसाड से 22 अप्रैल से 24 जून तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को 08.40 बजे



खुलकर अगले दिन 12.00 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी दानापुर से 23 अप्रैल से 25 जून तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को 14.30 बजे खुलकर अगले दिन 21.30 बजे बलासाड़ पहुंचेगी। उधना-पटना सुपरफास्ट स्पेशल उधना से 19 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को 08.35 बजे खुलकर अगले दिन 10.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी पटना से 20 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार को 13.05 बजे खुलकर अगले दिन 14.50 बजे उधना पहुंचेगी। राजकोट-बरौनी स्पेशल राजकोट से 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को 12.50 बजे खुलकर रविवार को 00.10 बजे पाटलिपुत्र रुकते हुए 03.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 28 अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक रविवार को 13.45 बजे खुलकर 16.30 बजे पाटलिपुत्र रुकते हुए मंगलवार को 05.50 बजे राजकोट पहुंचेगी। उधना बरौनी स्पेशल उधना से 22 अप्रैल से 26 जून तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को 20.35 बजे खुलकर अगले दिन 22.25 बजे पटना जंक्शन रुकते हुए देर रात्रि पहुंचेगी।



18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 6

स्वीप कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को किया रवाना

♦ जिलाधिकारी ने सभी को सातवें व अंतिम चरण के मतदान दिवस 1 जून को वोट देने की दिलाई शपथ

केटी न्यूज/मऊ

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत लोकसभा क्षेत्र घोसी में मतदान प्रतिशत में वृद्धि हेतु जिला प्रशासन लगातार प्रयास रत है। जिसके क्रम में आज जनपद के विभिन्न स्थानों पर कई मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यक्रम संचालित किए गए। सारे काम छोड दो सबसे पहले वोट दो। लोकतंत्र की यह पहचान मत, मतदाता और मतदान उक्त गगनचुंबी नारों के साथ जिलाधिकारी प्रवीण कुमार मिश्र ने मतदान बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित शिक्षकों की बाईक रैली को जिलाधिकारी प्रवीण कुमार मिश्र ने सोनीधापा बालिका इंटर कॉलेज से कलेक्ट्रेट परिसर तक के लिए रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी को सातवें व अंतिम चरण के मतदान दिवस 1 जून को वोट देने की शपथ दिलाई। जिला बेसिक शिक्षा



अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय ने सभी शिक्षकों से अपील की जहां भी बैठक करें घर घर संपर्क करें सभी 18 वर्ष को मतदाता को शत प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित करें। विद्यालयों पर मतदान हेतु सभी मूलभूत सुविधाएं चुनाव पूर्व पूर्ण कर लें।बाईक रैली सोनीधापा बालिका इंटर कॉलेज से आजमगढ़ मोढ गाजीपुर तिराहे से दीवानी कचहरी होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला विद्यालय निरीक्षक,खंडशिक्षा आधिकारी सुनील सिह,बी ई ओ धर्मेंद्र कुमार, अरविंद कुमार,श्वेता मौर्य,ए आर पी चन्द्रधर राय,जिला समन्वयक चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव,एस आर जी अरविंद पांडेय,रेनू पांडेय,विभा राय,अध्यक्ष कृष्णानंद राय,अजय राय,राकेश कन्नौजिया,ए आर पी विवेक सिंह, क्वालिटी को आर्डिनेटर शशांक सहित बेसिक और माध्यमिक के शिक्षक शिक्षिकाओं ने बढ चढकर हिस्सा लिया। इसके अलावा विकासखंड परदहां एवं फतेहपुर मंडाव के ग्राम पंचायत कासिमपुर एवं कंधेरी में भी मतदाता जागरूकता संबंधी रेलिया का आयोजन किया गया। एस ए प्राइवेट आईटीआई मोहम्मदाबाद गोहाना के छात्र-छात्राओं द्वारा भी मोहम्मदाबाद गोहना बाजार में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को मतदान हेतु प्रेरित किया गया। श्रम विभाग एवं युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा भी मुख्यालय स्थित विभिन्न स्थलों पर मतदाता जागरूकता रैलियां निकाली गई एवं लोगों से मतदान में भाग लेने की अपील की गई। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने जनपद के समस्त मतदाताओं से 1 जून को होने वाले मतदान प्रक्रिया में शामिल होकर अधिक से अधिक मतदान करने की अपील भी की।

एक नजर

एआई एवं मशीन लर्निंग नई दवा को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण : डॉ रजनीश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कंप्यूटेशनल केमिस्ट्री एंड



मॉलिक्यूलर डिजाइन विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन एआई एवं मशीन लर्निंग आधारित दवा के खोज पर पर व्याख्यान और प्रशिक्षण हुआ। फामेर्सी विभाग, आईआईटी, बीएचयू के डॉ रजनीश कुमार ने एआई एवं मशीन लर्निंग पर आधारित दवाओं के खोज पर पर व्याख्यान और प्रशिक्षण दिया। डॉ रजनीश ने बताया की एआई एवं मशीन लर्निंग मदद से पहले से उपलब्ध डाटा का प्रयोग करके नई दवाओं को कम लागत पर विकसित किया जा सकता है। डॉ कुमार ने कंप्यूटर एडेड ड्रग डिस्कवरी के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया। उन्होंने ट्यूटोरियल के माध्यम से मॉलिक्युलर रिकॉग्निटशन के बारे में बताया। डॉ रजनीश ने बताया की नई विकसित दवा का क्लेनिकल ट्रायल करने से पहले एआई की मदद से दवा के ट्रायल में सफल होने की संभावना का पता लगाया जा सकता है। इससे दवा को विकसित करने के खर्च को कम किया जा सकता है। डॉ कुमार ने सार्स कोविड के प्रोटीन पर भी बाईंडिंग एवं डॉकिंग को समझाया। डॉ. कुमार ने वीना और जीनीना सॉफ्टवेयर की मदद से प्रतिभागियों को डॉकिंग करना सिखाया। उन्होंने गूगल क्लाउड कम्प्यूटिंग के कोलेब की मदद से भी डॉकिंग करना सिखाया। दूसरे सत्र में रसायन विभाग, रज्जू भइया संस्थान के डॉ. अजीत सिंह ने नये अणुओं का तैयार करने व विकसित करने में कंप्यूटेशनल केमेस्ट्री के प्रयोग की भूमिका की चर्चा किया। डॉ सिंह ने कार्बनिक सुपर बेस से उड2 को अवशेषित करने में प्रयोग के बारे में बताया साथ ही साथ उत्प्रेरक विकसित करने में कंप्यूटेशनल केमेस्ट्री की चर्चा की। डॉ सिंह ने बताया कि विभिन्न प्रयोग को प्रयोगशाला में करने से पहले हम कंप्यूटर के माध्यम से विभिन्न तरीकों से उनके बारे में अध्ययन कर सटीक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत डॉ मिथिलेश यादव ने किया। सत्र संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला संयोजक डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ आलोक दास व सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

श्री मां आद्या शक्ति दक्षिणा काली मन्दिर में नवरात्र नवमी के दिन हुआ हवन पूजन



जौनपुर। नगर के सिटी स्टेशन रेलवे क्रासिंग ओवर ब्रिज के निकट स्थित श्री मां आद्या शक्ति दक्षिणा काली मन्दिर पर चैत नवरात्र के नवमी के दिन बुधवार को पूजारी भगवती सिंह वागीश ने सैकड़ो लोगों का हवन पूजन कराया। इस मौके पर मन्दिर के पुजारी भगवती सिंह वागीश ने बताया कि 'ॐ क्रीं क्रीं कालिकाएं नमः' मंत्र का जाप करने से सभी बीमारियां दूर हो जाती है ,हवन से आस-पास का वातावरण शुद्व हो जाता है और प्राणियों में सर्वधन का संचार हो जाता है। घंटा व शंख की ध्वनी से वातावरण अत्यन्त आनन्दमय हो जाता है।।अतः कलयुग में काली उपासना परम शक्ति वर्धक एवं मंगलकारी है। कलयुग में मां दक्षिणा काली की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। इस अवसर पर सपा नेताअजय त्रिपाठी,वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, मतिवार सिंह , प्रधानाचार्य बाबा सिंह, दलसिंगर विश्कर्मा, रामपाल विश्वकर्मा, विपिन सिंह,पीयूष श्रीवास्तव,सर्वेश सिंह सोनू,भानु मौर्य, मनीष सोनकर, व वन्देश

खबरें फटाफट

रामनवमी पर प्रभु श्री रामलला की निकाली गई शोभायात्रा

जौनपुर। रामनवमी शोभा यात्रा समिति युवा बजरंग दल द्वारा रामनवमी एवं नूतन वर्ष के पावन पर्व पर रामलला की भव्य शोभायात्रा भंडारी स्टेशन के श्री राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो सुत्तहट्टी बाजार, सब्जी मंडी, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा,शाही पुल, से होते हुए अपने समापन स्थल कजगांव पड़ाव, ओलंदगंज मे आरती,एवम प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ।संरक्षक मण्डल के श्रवण चौरसिया,सुभाष गर्ग,बिन्दु केसरवानी,ने नारियल फोड़ कर शोभायात्रा का शुभारम्भ किया मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम जी का विधिवत पूजन अर्चन कर हरी झंडी को दिखाते हुए शोभायात्रा को गंतव्य मार्गो के लिए रवाना किया। शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, ऊंट, डीजे, ढोल ताशा, ध्वजा पताकाओ से सुसज्जित मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम रथ आकर्षण का प्रमुख केंद्र था। नगर वासियों ने अपने आराध्य देव की जय- जय कार के साथ पुष्प वर्षा कर अगवानी की। इस बार की शोभायात्रा में विशेष आकर्षण झांकी शिव तांडव व हनुमान जी की प्रस्तुति थी। पालकी में विराजमान भगवान राम की भव्य सजावट युक्त रथ की चहुओर प्रशंसा हो रही थी। कोतवाली चौराहा स्थित नियंत्रण कक्ष से शोभायात्रा को नियंत्रित करने में डॉक्टर हर्षित गुप्ता ने अहम भूमिका निभाई। कंट्रोल रूम में अनेकों गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु, समाजसेवी जनों के कर कमलों द्वारा प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।
इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थापक सुभाष चंद्र गर्ग, श्रवण चौरसिया, विनोद कुमार केसरवानी व संरक्षण मंडल जिलाजीत सेठ, राजकुमार सेठ, मुन्नालाल सेठ, गोपाल सेठ, मनोज कुमार सोनी, सुधीर शाहू बंम , राम जी जायसवाल पत्रकार , आलोक साहू ,सुभाष चंद्र गुप्त, साहब लाल साहू, विजय गुप्ता, कृष्ण कुमार सेठ, विष्णु गोस्वामी, शिव प्रसाद बिंद, अभय चौरसिया, सौरभ गुप्ता, अर्पित गर्ग, वैभव वर्मा, शिवम अग्रहरी, शशांक गुप्ता, मोहित सेठ सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण मौजूद रहे। शोभा यात्रा का संचालन संतोष सेठ, संजय मोदनवाल, राजन अग्रहरि, शैलेन्द्र मिश्रा, अशोक मोदनवाल आदि शामिल थे।

वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि को नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं का मुख्यमंत्री ने

कन्या पूजन कर की मातृ शक्ति की आराधना







केटी न्यूज/गोरखपुर

मातृ शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर बुधवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। नवमी तिथि के अनुष्ठान की कड़ी में गोरखनाथ मंदिर के नव भोजनालय में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि के अनुष्ठान में सीएम योगी एवं गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कुंवारी कन्याओं के पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी कुंवारी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा। कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। मुख्यमंत्री यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, द्वारिका तिवारी, वीरेंद्र सिंह, दुर्गेश बजाज, विनय गौतम आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बुधवार दोपहर श्रीरामनवमी के महापर्व पर विधि विधान से भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर मंदिर परिसर प्रभु श्रीराम के भजनों से गुंजायमान रहा। वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद मुख्यमंत्री मंदिर परिसर स्थित रामदरबार पहुंचे। दोपहर के बारह



बजते ही उन्होंने पालने में विराजमान प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप के विग्रह की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की। प्रभु विग्रह को तिलक लगाने और माल्यार्पण करने के बाद आरती उतारी। पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के साथ सीएम योगी ने बाल स्वरूप भगवान को पालने में झुलाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम से लोकमंगल की प्रार्थना की।

नवरात्र महोत्सव पर डांडिया प्रस्तुत कर छात्राओं ने खूब वाहवाही बटोरी

♦ ताजपुर स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में मनाया गया नवरात्र महोत्सव

केटी न्यूज/बांदा

परदहा ब्लाक क्षेत्र के ताजपुर स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में नवरात्र महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत तरह तरह के गीत , सहित डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रबंधक तेजबहादुर यादव ने मां सरस्वती तथा मां दुर्गा के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद छात्र/छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम



प्रस्तुत किया गया।जिसमे छात्राओ ने लहंगा चुनरी वेश भूषा में डांडिया नृत्य करते हुए एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर निदेशक अभि षेक यादव ने कहा कि विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम कार्यक्रम कराने का मुख्य उद्देश्य यह हैं कि छात्र/छात्राओ का बौद्धिक, धार्मिक, व सामाजिक ज्ञान बढ़ाया जा सके। प्रबंधक तेजबहादुर यादव ने कहा कि नवरात्र में डांडिया कार्यक्रम से शिक्षा के साथ साथ धार्मिक कार्यो मे भी छात्राएं निपुण हो रही है। धार्मिक कार्यो से परिवार में खुशहाली रहती है। उन्होंने बेटियों को बेहतर शिक्षा दिलाने की राय दी। फिर देवी स्तुति में छात्राओं ने मां के नौ स्वरूपों की झांकी सजाई। इस मौके पर पुजा यादव, विजय, अनुराग, अरुण आदि उपस्थित रहे।



मऊ के मां शीतला माता मंदिर में सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का लगा रहा आना-जाना

देवी मंदिरो में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओ की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/मऊ

नवरात्र के अंतिम दिन राम नवमी पर जनपद के देवी मंदिरो में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओ की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण धूप के बावजूद भक्तो की भीड़ पर कोई असर नहीं दिख रहा था। मऊ शहर के मां शीतला माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। मान्यता है कि माता शीतला के दर्शन पूजन करने से लोगों की मनोकामना पूर्ण होती है। इसके अलावा परदहा ब्लाक के कोहिनौर स्थित मां बनदेवी धाम, मादी सिपाह स्थित मां कोइल मर्याद भवानी मंदिर में पूजा दर्शन करने वाले



लोगो का तांता लगा रहा। प्रशासन भी पूरी तरह तैयार रहा और पुलिस फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

सभासद के घर पहुंचकर कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने दी ईद की मुबारक बाद



मऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में कारागार मन्त्री दारा सिंह चौहान ने कोपागंज नगर के हकीमपुरा वार्ड के सभासद व भाजपा नेता शमशाद अहमद के घर पहुंच कर ईद की दिली मुबारकबाद दिया। सभासद द्वारा कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान का स्वागत ढ़ोल नगाड़े के साथ किया गया इस अवसर पर काफी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग मौजूद रहें। कारागार मन्त्री ने कहा कि ईद के अवसर पर मै पहुंच नहीं पाया इस लिए अपने भाइयों को ईद का दिली मुबारकबाद देने आया हूँ। मिडिया के सवालों का जबाब देते हुए मन्त्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि मोदी मैजिक से विपक्ष बौखला गया हैं इस लिए अनाप शनाप बयान बाजी कर रहा हैं।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 7

सुभाषितम्

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। - कथा सरित्सागर

कैसी होगी बाबा रामदेव की सार्वजनिक माफी

पतंजलि के विज्ञापन मामले में मंगलवार को योग गुरु स्वामी रामदेव के माफीनामे पर सुप्रीम कोर्ट में बहस हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप योग गुरु हैं। योग के क्षेत्र में आपने बहुत अच्छा काम किया है। योग के साथ-साथ आप बिजनेस भी करने लगे। न्यायमूर्ति कोहली ने कहा माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश या सेंसरशिप नहीं लगाई है। संयुक्त बैंच ने यह भी कहा कि आप बताएं, आपको माफी क्यों दी जाए? इसके बाद बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक माफी मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में तैयार हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने जब बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की माफी और उसके तरीके को स्वीकार नहीं किया, तो उसके बाद सुप्रीम कोर्ट से बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने के लिए तैयार हुए। यह भूल उनसे अज्ञानता के कारण हुई है। आगे से हम सजग रहेंगे। बाबा के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अभी हमने सुप्रीम कोर्ट में कुछ भी फाइल नहीं किया है। हमारे पक्षकार सार्वजनिक माफी मांगना चाहते हैं। बाबा रामदेव ने गलत दावे करते हुए विज्ञापन जारी किए। उन्होंने गेरुआ वस्त्र को धारण करके साधु के भेष में झूठे विज्ञापन जारी किये। मॉडल के रूप में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में खुद ही अपने उत्पाद के बारे में झूठे दावे किए। शिष्यों और उपभोक्ताओं से सुनियोजित रूप से अरबों रुपए की लूट की है। सुप्रीम कोर्ट में मामले की जब सुनवाई चल रही थी। उस समय बाबा ने एक तरह से न्यायालय को चुनौती देते हुए कहा था, यदि वह गलत होंगे, तो वह फांसी पर चढ़ने और कोई भी जुमार्ना भरने के लिए तैयार हैं। ऐसा कहकर उन्होंने उस समय भी धोखा देने की कोशिश की थी। बाबा ने खुले रूप से कई वर्षों तक धोखाधड़ी करके भक्तों की आस्था और उपभोक्ताओं के साथ लूटामारी की है। सही मायने में गलत विज्ञापनों के आधार पर उपभोक्ताओं को धोखा देकर लूटा गया है। पतंजलि और बाबा रामदेव को पैसा वापस लौटाने तथा सभी मीडिया चैनल और प्रिंट मीडिया के सभी समाचार पत्रों में सार्वजनिक रुप से माफीनामा प्रकाशित कराने की अपेक्षा की जा रही है। रावण ने मां सीता का अपहरण साधु के भेष में किया था। जब राम के हाथों रावण का वध हुआ। उस समय रावण ने अपने आराध्य भगवान शिव से पूछा, उन्होंने उनकी रक्षा क्यों नहीं की। भगवान शिव ने तब रावण को कहा था, राक्षस के रूप में तुम्हें वरदान प्राप्त हुए थे। राक्षस के रूप में यदि तुम, माता सीता का अपहरण करते, तो मैं तुम्हारी रक्षा करता। तुमने साधु का वेश धारण करके सीता माता के साथ विश्वासघात किया था। जिसके कारण में तुम्हारी रक्षा नहीं कर पाया। आज सुप्रीम कोर्ट की भूमिका भी भगवान शिव की तरह है। एक आम व्यापारी के रूप में बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने यह धोखाधड़ी की होती, तब उन्हें क्षमा मिल सकती थी। बाबा रामदेव ने भगवा वस्त्र धारण करके, साधु के भेष में, स्वयं उत्पादों का प्रचार करने के लिए मॉडल बन गए। भक्तों और उपभोक्ताओं को ठग कर, उनके साथ विश्वासघात किया है। इसकी माफी हो ही नहीं सकती है। पतंजलि और बाबा रामदेव द्वारा जो अपराध किया गया है। जिन्हें आस्था और विश्वास के नाम पर लूटा है। सुप्रीम कोर्ट को बाबा रामदेव से लूटी गई राशि वापस करने, सभी इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में जहां-जहां उन्होंने विज्ञापन प्रकाशित कराए हैं। उनके द्वारा जो अपराध किए गए हैं। इसका उल्लेख करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इस तरह की चालबाजी आगे भी चलती रहेगी। लोगों की आस्था और विश्वास के साथ खिलवाड़ करना अथवा इस तरह की लूट को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

क्या नेता यूपीएससी के जरिये चुने जाएँ ?...

-राकेश अचल

`चूंकि मै किसी राजनीतिक दल का प्रचारक नहीं हूँ इसलिए मुझे केंचुआ रंजीत सिंह सुरजेवाला की तरह 48 घंटे के लिए बैन नहीं कर सकता। मै रोजाना आपके लिए लिखता हूँ और आज भी लिख रहा हूँ। आज मैंने संघ लोकसेवा आयोग के नतीजों की खबर पढ़ी तो मुझे ख्याल आया कि क्यों न देश में सांसदों के चयन के लिए संघ लोकसेवा आयोग को ही मुकर्रर कर दिया जाए। यूपीएससी यानि संघ लोकसेवा आयोग वैसे भी लोक सेवक ही तो चुनता है ,फिर नेताओं को क्यों नहीं चुन सकता ? आखिर नेता भी तो लोकसेवक ही होते हैं? यूपीएससी का इतिहास काफी पुराना है। ये संगठन 1854 से देश के लिए लोक सेवक चुनता आ रहा है। पहले ये आईसीएस चुनता था लेकिन 1922 से आईएएस चुन रहा है। पहले यूपीएससी का नाम एफपीएससी था लेकिन भारत की आजादी के बाद जैसे ही देश में नया संविधान बना इसका नाम यूपीएससी हो गया। यूपीएससी को मै केंचुआ से ज्यादा महत्वपूर्ण मानता हूँ ,क्योंकि केंचुआ तो देश के लिए पांच साल में एक बार 543 लोक सेवक चुनता है लेकिन यूपीएससी तो लगातार ये काम करता है। इस साल भी यूपीएससी सीएसई 2023 के परिणामों में 1143 रिक्त पदों के मुकाबले



1016 के चयन की सूची जारी की गई है. इन सभी को आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, ग्रुप ए और ग्रुप बी सर्विस में सरकारी नौकरी मिलेगी। यदि संघ लोकसेवा आयोग को ये काम सौंपा जाये तो संसद में जाने से पहले सभी नेताओं को एक नहीं बल्कि दो-दो इम्तिहान देना पड़ें। मजेदार बात ये हो कि भावी लोकसेवकों को न टिकिट पाने के लिए किसी की चिरौरियाँ करना पड़ें और न नोट देना पड़ें। किसी हाईकमान की, किसी संसदीय बोर्ड की जरूरत ही न पड़े। कम से कम न्यूनतम योग्यता वालों को ही संसद में जाने की पात्रता तो होगी। अभी तो संसद में जाने की कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय ही नहीं है। अभी तो बस आपकी उम्र 25 साल के ऊपर होना चाहिए। आपकी योग्यता का पैमाना आपकी शिक्षा ,चाल-चलन नहीं है आपका पुलिस से चरित्र सत्यापन भी जरूरी नहीं है । आप खुद अपने ऊपर चले रहे मामलों की जानकारी दे दें तो आपकी कृपा है। आपने नेता बनने से पहले कितना ,क्या और कैसे कमाया ? कोई नहीं पूछता । ईडी,सीबीआई तो बाद में आपके पीछे लगती है। वो भी तब जब आप सत्ता के साथ नहीं बल्कि आश्रम के साथ खड़े होते हैं तब। केंचुआ को संसद सुनने से पहले आदर्श आचार संहिता लगना पड़ती है जो उसके हिसाब से नहीं सत्ताधीशों के हिसाब से काम करती है। केंचुआ किसी को भी चुनाव से पहले और चुनाव के बाद एडवायजरी जारी कर सकता है ,किसी को भी चुनाव प्रचार करने से रोक सकता है। केंचुआ किसको कितनी आजादी दे ये सत्ता तय करती है ,केंचुआ नहीं। यूपीएससी में ये सब झंझट नहीं है। निर्धारित अहर्ता है तो पहले प्रिलिम्स में उत्तीर्ण होइए और फिर मुख्य परीक्षा में अपनी योग्यता का मुजाहिरा कीजिये। अगर योग्यता नहीं है तो चाहे चाय बेचिये या पकौड़े। कोई रोकने वाला नहीं। सांसद बनने के लिए कोई न्यूनतम योग्यता नहीं है। चाय बेचने वाला हो ,मजदूर हो , हत्याभियोगी हो ,जेबकतरा हो, संसद के लिए चुनाव लड़ सकता है। केवल सजायाफ्ता नहीं होना चाहिए। हो भी तो दो साल से कम की सजा वाला हो। मुमकिन है कि आप मेरी कल्पना पर हँसें ,मुझे मूर्ख भी कहें ,आपको ये छूट भारतीय संविधान ने दी है। सत्ता आपको ये छूट नहीं देती ,लेकिन चूंकि मै संविधान के विधान को मानता हूँ इसलिए मै आपको ये आजादी देता हूँ। मै आजादी का परम उपासक भी हूँ और समर्थक भी । मैंने 1975 में भी आजादी पर हमलों का विरोध किया था और पचास साल बाद 2024 में भी कर रहा हूँ। मुझे जब से मतदान का अधिकार मिला है मै नेता की सूरत देखकर मतदान नहीं करता । मै पार्टियों का चल,चरित्र और चेहरा देखता हूँ। मै मंदिर-मस्जिद,मजहब के नारे देने वालों को भूलकर भी वोट नहीं देता। मै वोट देने से पहले उम्मीदवार की जाति या छाती का आकार भी नहीं देखता। अनेक मौकों पर ऐसा हुआ कि मुझे अपने इलाके में कोई उम्मीदवार समझ नहीं आया तो मैंने मतदान में हिस्सा नहीं लिया । मेरी इस मूर्खता की वजह से बज्जर मूर्ख उम्मीदवार जीत गए। इसका अफसोस मुझे आजतक है। भारत में यदि सब कुछ संविधान के मुताबिक चले और सांसद चुनने का काम भी यदि संघ लोकसेवा आयोग जैसे किसी संस्थान को सौंप दिया जाये तो मै अपना मताधिकार तक समर्पित करने को राजी हूँ। मेरा वोट खरीदने वाले देश में ढेरों है। मान लीजिये कि यदि मै अपना वोट न भी बेचूँ तो खरीदार मेरे वोट से चुने सांसद और विधायक को खरीद लेते हैं। वे तो पूरी की पूरी सरकार ही खरीद लेते हैं। आपका लोकसेवक यदि किसी आयोग द्वारा तय परीक्षा से चुना जाएगा तो कम से हाल के हाल तो नहीं बिकेगा ! उसे भ्रष्ट होने में कुछ वक्त लगेगा । वो थोड़ा-बहुत तो नैतिक होगा। वो आपने हाथ से अपने वेतन-भत्ते नहीं बढ़ा पायेगा। वो संसद में पहूंचकर केवल मेजें नहीं थपथपाएगा । केवल अपने नेता के नाम की माला नहीं जपेगा । उसे जिस काम के लिए भेजा गया है ,वो काम भी करेगा। अभी तो मै देखता हूँ कि आप केंचुआ की देखरेख में चुनते हैं ,उसका कोई खाड़ा[भरोसा] नहीं। चुनाव के बाद वो आपको मिल ही जाये इसकी कोई गारंटी नहीं है। न राहुल बाबा इसकी गारंटी दे सकते हैं और न मोदी बाबा। संघ लोकसेवा आयोग द्वारा चुने जाने वाले लोकसेवकों को ये आजादी नहीं है। वे निलंबित किये जा सकते है। बर्खास्त किये जा सकते हैं। उनका तबादला किया जा सकता है। उनके वेतन-भत्ते रोके जा सकते हैं। उनके खिलाफ आय से ज्यादा सम्पति रखने पर कार्रवाई हो सकती है। केंचुआ की देखरेख में चुने जाने वाले लोकसेवक परम स्वतंत्र होते हैं। वे किसी को भी मार्गदर्शक मंडल में डाल सकते हैं और किसी को भी बाहर निकाल सकते हैं भले ही वे खुद मार्गदर्शक मंडल में जाने की पात्रता रखते हों। अभी हम जिन लोकसेवकों को चुनते हैं उन्हें रिटायर नहीं किया जा सकता। वे जब चाहें तब तक चुनाव लड़ सकते हैं,,राजनीति कर सकते हैं ।जितना चाहे कमा सकते हैं बहरहाल मेरी कल्पना अभी हाल-फिलहाल तो साकार नहीं हो सकती। इसलिए १९ अप्रेल को जब आप पहले चरण के लिए लोकसेवक चुनने जा रहे हों तो अपनी आँखें खोलकर रखें। उन्हें चुनें जो राम के नाम पर वोट न मांग रहे हो। जो मजहब के नाम पर कटोरा लेकर आपके घर न आये हों। जिन्होंने अपनी गरीबी का रोना न रोया हो।जो झारखण्ड में सीताहरण कि लिए दोषी न हों मै आपसे किसी दल विशेष के प्रत्याशी को वोट देने के लिए नहीं कहूंगा। मेरा आग्रह तो ये है कि आप अपने प्रत्याशी का चल,चरित्र और चेहरा देखे । देखें कि वो आपको व्यापारियों की तरह सेवा करने की गारंटी न देता हो, जो बहुरूपिया न हो।

मातृशक्ति को लज्जित करती अमर्यादित भाषा!

- सोनम लववंशी

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही पूरे देश में राजनीतिक सरगर्मियां उफान पर है। सियासत के सूरमा जिक्र तो लोक कल्याण और समावेशी विकास करते हैं, लेकिन इक्कीसवीं सदी के बदलते भारत की राजनीति भी करवटें बदल रही है। विपक्ष तो विपक्ष सत्ता पक्ष भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कब राजनीति की नैतिकी और सिद्धांतों को धत्ता बता दें। यह पता ही नहीं चलता। ऐसे में अभिव्यक्ति के नाम पर अनर्गल बयानबाजी ने राजनीति की शुचिता को तार-तार कर दिया है। बोल के लब आजाद है तेरे पंक्ति का शोर आजकल राजनैतिक आबोहवा में गुंजित हो रहा है। ऐसे में मालूम तो यही पड़ता कि जब मशहूर शायर फैज अहमद फैज ने इन पंक्तियों को लिखा होगा तो शायद ही कभी ये सोचा होगा कि देश के राजनेता उनकी इस पंक्ति के सहारे शब्दों की सारी मयार्दा लांघ जाएंगे! यूं तो महिलाओं के प्रति की जाने वाली अभद्र टिप्पणियों के लिए भारतीय लोकतंत्र सदियों से बदनाम रहा है, लेकिन चुनाव आते-आते विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर को अमर्यादित भाषा के वायरस से कलंकित करने में हमारे राजनेता कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। खासकर महिला नेताओं को लेकर अभद्र टिप्पणी का दौर कुछ इस तरह चल पड़ा है। जो अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। आलम तो कुछ यूं हो चला है कि अब महिला नेत्री भी इस मुकाबले में पीछे नहीं रही है। बीते दिनों ही कंगना रनौत और ममता बनर्जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां इसकी ताजा मिसाल हैं। लेकिन महिलाओं पर ऐसे हमले क्यों



होते हैं और यह स्थिति कैसे बदलगी? ये कोई नहीं कह सकता। वैसे जब महिला ही महिला को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने लगें। फिर स्थिति और असहज हो जाती है। बीते दिनों पश्चिम बंगाल से बीजेपी सांसद दिलीप घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा, दीदी (ममता बनर्जी) गोवा में खुद को गोवा की बेटी बताती हैं, त्रिपुरा जाकर खुद को त्रिपुरा की बेटी बताती हैं। उन्हें पहले अपने पिता की पहचान करनी चाहिए। यूं तो चुनाव आयोग ने ऐसे बयानों पर चेतावनी देकर इतिश्री कर ली है। पर इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा तभी तो अभी हाल के दिनों में ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा के कैथल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि हम लोग विधायक, सांसद क्यों बनते हैं? हम हेमा मालिनी तो हैं नहीं कि चाटने के लिए बनते हैं। अब जरा कोई रणदीप सुरजेवाला को यह बताएगा कि कांग्रेस में भी महिलाएं सांसद-विधायक क्यों बनती हैं? आखिरकार रणदीप सुरजेवाला कोई दूध पीते बच्चे तो है नहीं जो अनाप-शनाप कुछ भी बोल दिए! एक पार्टी का जिम्मेदार नेता कैसे अशोभनीय भाषा और नीचता पर उतारू हो जाता है। यह समझ नहीं आता। वैसे अमर्यादित भाषा का ये दौर राजनीति के गलियारों में सदियों से चलता आया है। फिर चाहे वो पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और बसपा प्रमुख मायावती जैसी वरिष्ठ नेता ही क्यों न रही हो। स्मृति ईरानी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पति चोर कहकर ट्रोल किया गया था। जबकि साल 2020 में सोनिया गांधी के जन्मदिन पर बार डांसर डे ट्रेंड कर रहा था। साल 2016 में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मायावती की तुलना वैश्या से कर दी थी। विडंबना देखिए कि चुनाव आते ही हमारे देश में महिला सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही है लेकिन महिलाओं के साथ छींटाकशी आधुनिक समाज में भी चरम पर हैं। माना कि चुनाव का दौर चल रहा है और जीतने के लिए मुद्दे गढ़े जाते है लेकिन यह कौन सा तरीका हुआ कि महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की जाए। वह भी देश का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं द्वारा। ममता बैनर्जी हों या हेमा मालिनी। किसी भी महिला के खिलाफ किसी राजनेता को अभद्र टिप्पणी करने का क्या अधिकार है? हमारी मां-बहन- बेटियां हैं। उनकी भी तो कोई इज्जत है! फिर किसी सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय महिला के साथ शाब्दिक छींटाकशी क्यों? दुःखद तथ्य यह है कि अब तो महिलाएं स्वयं महिलाओं पर अनर्गल प्रलाप कर रही हैं। कंगना रनौत से जुड़ा मामला कुछ ऐसा ही है। वैसे तो नारी की जिंदगी मयार्दा में सिमटी हुई है। पितृसत्तात्मक समाज के इस दौर में महिलाओं के लिए चुनौतियाँ कम नहीं है। आज भी आधुनिक होते समाज में महिलाओं के लिए पाबंदी कम नहीं है। ये अलग बात है कि पंचायत की राजनीति से लेकर संसद और राष्ट्रपति की कुर्सी तक महिलाएं पहुंच चुकी हैं लेकिन अब भी उनकी संख्या सीमित है। आज के दौर में हम विकसित होने का ढोंग भले रच लें, लेकिन सोच और समझ हमारी रसातल में जा पहुँची है। देश के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से लेकर निचले स्तर तक के लोग महिलाओं के खिलाफ बदजुबानी में पीछे नहीं हैं। ऐसे में सवाल कई उठते हैं, लेकिन जब लोकराज ही बिना लोकलाज के चलने लगें। फिर उन सवालों का ज्यादा औचित्य नहीं? आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अमर्यादित भाषा के वायरस से पीड़ित हो चुका है। जो उसके लिए बहुत बड़ी विडंबना वाली बात है। राजनीति का अर्थ यह तो कतई नहीं होता कि सियासतदां एक दूसरे के निजी जीवन पर आक्षेप करने लग जाएं। राजनीति सदियों से हमारे समाज का अंग रही है। फिर हमारे सियासत के सूरमा लोकतंत्र के भीतर राजनीति के सिद्धांतों को तिलांजलि क्यों दे रहें हैं? आज जिस दौर में भारतीय राजनीति में भाषा की गिरावट अपने निम्नतम स्तर पर पहुँच गयी है। राजनेताओं के बोल बिगड़ते जा रहे है। उन्हें दूसरे राजनीतिक दल के नेताओ को बुरा बोलने में कोई बुराई नजर नही आती है। फिर सवालों की एक लंबी फेहरिस्त उत्पन्न होती है।

अनंत काल तक रहेगा प्रभु राम का अस्तित्व

- संजय गोस्वामी

ऐसा नहीं कि जब तक सृष्टि रहेगी, तभी तक राम की दृष्टि होगी। हमारे हमारा ग्रह पृथ्वी के बनने के कारण तक भगवान श्री राम का अस्तित्व रहेगा, सृष्टि के नष्ट होने के बाद भी भगवान इस तर्क में भूल नहीं हैं। श्री राम का अस्तित्व हमेशा रहेगा क्योंकि वो ईश्वर हैं। यह बात स्वामी विवेकानंद ने कहीं थी कि श्री राम उन देवता में से हैं जिन्होंने मयार्दा का पालन किया और उनकी दया दृष्टिकोण ही उन्हें ईश्वर के समकक्ष बनाती है। यानि ईश्वर तो सिर्फ एक है, दो चार तो नहीं हैं। सेवा के लिए पहली शर्त प्रेम है, अर्थात जिसके दिल में प्रेम हैं, वही सेवा कर सकता है। टॉल्स्टॉय ने कहा है, ह्लप्रेम स्वर्ग का रास्ता है। बुद्ध का कथन है, प्रेम इंसानियत का एक फूल है और है और प्रेम उसका मधु ह्ल रामकृष्ण परमहंस ने कहा है, ह्लजीवन एक फल है और प्रेम उसका मधु ह्ल रामकृष्ण परंमहंस ने कहा है, ह्लप्रेम अमरता का समुदंर है। कबीर का कथन है, ह्लजिस घर में प्रेम नहीं, उसे मरघट समझ–बिना प्राण के साँस लेने वाली लुहार की धौंकनी। ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होए।। उपरोक्त पंक्ति के रचियता कबीरदास हैं। इस पंक्ति के माध्यम से ये कहना चाह रहें है कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। अलग–अलग शब्दों में सभी महापुरूषों ने प्रेम का बखान किया है। वास्तव में प्रम मानव-जाति की बुनियाद है। प्रेम ऐसा चुम्बक है, जो सबको अपनी ओर खींच लेता है। जिसके हृदय में प्रेम है, उसके लिए सब अपने हैं। भारतीय संस्कृति में तो सारी पृथ्वी को एक कटुम्ब माना गया है–ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्यईश्वर केवल एक है और जिन्होंने अन्तरिक्ष की व्यवस्था चला रखी हैआप उसका(भगवान) रूप देखिये हजारों साल पहले के बाद भगवान राम वैसे ही दिखेंगे जैसे पहले की तरह दिखता है जबकि मनुष्य का रूप समय के साथ बदलता है कई वर्षों के बाद यानी बचपन, जवानी और बुढ़ापाअपना दिखेगा राम कभी भी बुढ़ापा में नहीं दिखता है।, भगवान राम मानव के कल्याण के लिए अवतार लिया गया हैदेखने में उसका वास्तविक रूप मनुष्य जैसा नहीं है वो ईश्वर है औरजो सबकों प्रेम करता है, उससे बड़ा दौलतमंद कोई नहीं हो सकता। वह दूसरे के दिल में ऊँची भावना पैदा कर देता है। यदि गुस्सा होकर सूरज धूप और रोशनी न दे, धरती अन्न न दे, हवा प्राण न दे, तो सोचिए, हम लोगों की क्या हालत होगी! ईश्वर ने सारे इंसानो को एक-सा बनाया है। आदमी आदमी मे कोई अन्तर नही रक्खा। अन्तर तो स्वयं आदमी ने पैदा किया है। एक आदमी दिमाग से काम करता है, दूसरा शरीर से। पहले को हम बड़ा मानते है और उसे अधिक पैसा देते है, दूसरे को किसान-मजूर कहकर छोटा मानते है। और उसकी कम कीमत लगाते है। लेकिन यह न्याय नही है। जो दिमाग काम करता है, उसे भी खाने को अन्न चाहिए और अन्न बिना शरीर की मेहनत के नही मिल सकता। शरीर से काम करे वाले को दिमागी काम करने वाले का सहारा चाहिए। इस तरह दोनों एक-दूसरे के पूरक है। एक के बिना दूसरे का काम नही चल सकता। हृदय में प्रेम व राम है पर आज का समाज उन्हें एक-दूसरे का पूरक या साथी मानता कहाँ है? बुद्धि से काम करने वाला शरीर की मेहनत को छोटा और ओछा मानता है और उससे बचता है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन के तीन सूत्र



सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है। भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

आज का राशिफल

मेष आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। शाम तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी।

वृषभ आज आर्थिक लाभ का दिन है और आज आप किसी जरूरी योजनाओं को पूरा करने में बिजी रहेंगे।

मिथुन दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा।

कर्क आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे उसमें आपको लाभ मिलेगा।

सिंह धर्म आध्यात्म के मामले में आपको पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना फायदा देगा।

कन्या आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपकी करियर कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी।

तुला सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपके कोष में वृद्धि होगी। आज का दिन मजबूत है।

धनु सतर्कता से बिताने का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होगा।

मकर आर्थिक लाभ का दिन है और आपके व्यापार में आज काफी तेजी बनी रहेगी।

कुंभ दिन काफी सावधानी बरतने का है। मौसम परिवर्तन से आपके ऊपर खराब असर हो सकता है।

मीन आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने से आपको लाभ होगा।

विशेष

भाजपा का संकल्प और मोदी की गारंटी?

भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र किया जारी किया है। उस घोषणा पत्र को भाजपा ने संकल्प पत्र बता दिया है। संकल्प पत्र में जो लिखा गया है। उसे मोदी की गारंटी बताया गया है।अब जनता सोच रही है, गारंटी को लेकर वह किसको जिम्मेदार मानेगी। गारंटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं। वह सरकार के मुखिया के रूप में दे रहे हैं? 10 साल पहले के वायदे और गारंटी को क्या हुआ। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं बताते हैं। हर बार नई गारंटी दे देते हैं। पुरानी भूल जाते हैं। अब भाजपा की ओर से दे रहे हैं, या भाजपा संकल्प पत्र कह रही है, कहीं घोषणा पत्र कह रही है। पहले भी विदेश से काला धन लाकर 15 लाख रुपए देने के वायदे को जुमला बता दिया गया।

भगवान के रूप में मोदी की गारंटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भक्त उन्हें भगवान विष्णु का अवतार बता चुके हैं। लोकसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गारंटी पर अपनी गारंटी की मोहर लगा रहे हैं। जिस तरह के सपने मतदाताओं को दिखाए जा रहे हैं। वह सपने ब्रह्मा,विष्णु, महेश, तथा सतयुग त्रेता और द्वापर युग के देवी देवता भी पूरा नहीं कर पाए। अब उसको पूरा करने की गारंटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं। अब इस बात की चर्चा होने लगी है ।मोदी की गारंटी उनका अहंकार है, या उनका झूठ है। खैर उन्हें तो वोट चाहिए।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1612: शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया. 1774: माधवराव द्वितीय को पेशवा गद्दी पर बैठाया गया. 1859: तात्या टोपे को फांसी दी गयी. 1859: दो अंग्रेजों कैंड और ऐयरेस्ट की हत्या के सिलसिले में दामोदर हरि चापेकर को फांसी की सजा दी गयी. 1906: सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में भूकम्प के पश्चात लगी आग में 4 वर्ग मील क्षेत्र जलकर नष्ट जिसमें 700 लोगों की मृत्यु, लगभग 300 मिलियन डॉलर की सम्पति नष्ट, 1930: इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 सदस्यों ने सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार पर हमला किया. 1938: हिन्दी के जानेमाने साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी का निधन हुआ. 1942: अमेरिकी विमानों ने द्वितीय विश्व युद्ध में टोकियो और अन्य जापानी शहरों पर बमबारी की. 1977: भारत का पहला जम्बो जेट इम्परर अशोक मुम्बई आया.

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.23 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	07.07 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.05 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.19 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	13.35 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.47 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	17.57 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.12 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.28 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	00.33 बजे से
		कुंभ	02.20 बजे से
		मीन	03.53 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 109 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि दशमी 17.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 07.57 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 00.43 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 17.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871953
जूलियन दिन 2460418.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 8

2019 से ज्यादा मजेदार होगा यह चुनाव

करीब 250 सीटों पर होगा बहुकोणीय मुकाबला



यूपी में कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में महज 6.3त वोट हासिल हुए थे। वहीं, 2024 में बसपा किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं है और यूपी की 80 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। आरएलडी अब एनडीए के साथ गठबंधन में है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक तीसरे मोर्चे का भी जन्म हो रहा है जहां असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम और पल्लवी पटेल की पार्टी (अपना दल-के) चुनावी मैदान में साथ आ रही हैं। अपना दल-के ने हाल ही में इंडिया गठबंधन से किनारा किया है।

लोकसभा चुनाव 2024 पि?छले लोकसभा चुनाव की तुलना में ज?यादा रोमांचक होने वाला है। इसकी वजह यह है कि? कुल 543 में से लगभग आधी सीटों पर बहुकोणीय मुकाबला होने जा रहा है। इस चुनाव में कोई 'तीसरा मोर्चा' जैसा गठबंधन नहीं है। दो मुख?य गठबंधन मैदान में हैं। एक तो एनडीए और दूसरा इंडिया। इन दोनों गठबंधनों में 80 पार्टी?यां शामि?ल हैं। 45 प्रतिशत (244) सीटों पर बहुकोणीय मुकाबला चुनाव को रोचक बना रहा है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश को लें। इन तीन राज?यों से करीब एक चौथाई (144) सदस?य चुने जाते हैं। 2019 में यहां द्विपक्षीय मुकाबला था, लेकि?न इस बार स?थि?ति? अलग हो सकती है।

यूपी में कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में महज 6.3 प्रतिशत वोट

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बसपा और आरएलडी ने एनडीए के खिलाफ 2019 में गठबंधन बनाया था। कांग्रेस तब विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं थी। यूपी में कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में महज 6.3त वोट हासिल हुए थे। वहीं, 2024 में बसपा किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं है और यूपी की 80 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। आरएलडी अब एनडीए के साथ गठबंधन में है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक तीसरे मोर्चे का भी जन्म हो रहा है जहां असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम और पल्लवी पटेल की पार्टी (अपना दल-के) चुनावी मैदान में साथ आ रही हैं। अपना दल-के ने हाल ही में इंडिया गठबंधन से किनारा किया है। तमिलनाडु की बात करें तो 2019 के चुनावों में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में बीजेपी ने 39 में से 5 सीटों पर चुनाव लड़ा था। वहीं, डीएमके के नेतृत्व में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के गठबंधन ने चुनाव में भारी जीत दर्ज की थी। हालांकि, 2024 के चुनाव में बीजेपी, पीएमके और कुछ अन?य पार्टी?यों को साथ लेकर मैदान में उतरी है।

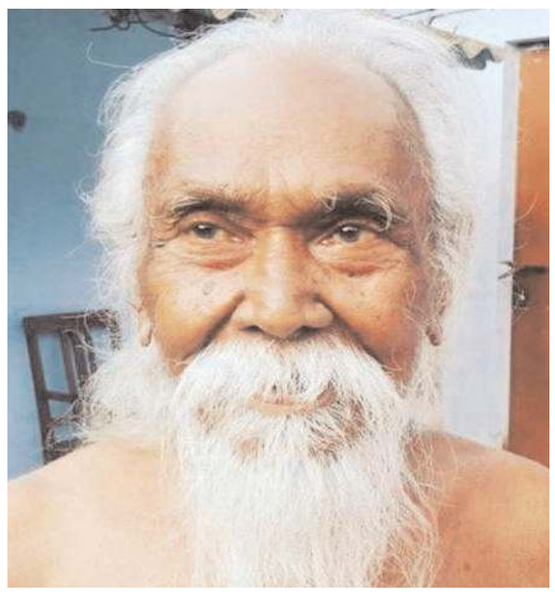
दक्षिण के राज्यों में चुनावी मुक़ाबला

आंध्र प्रदेश की बात करें तो बीजेपी ने टीडीपी और जन सेना पार्टी के साथ हाथ मिलाया है। वहीं, वाईएस शर्मिला रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस अपना प्रदर्शन सुधारने की कोशिश में रहेगी। पिछले चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और टीडीपी के बीच मुख्य मुक़ाबला था, जहां बायएसआरसीपी ने जीत दर्ज की थी। तेलंगाना में 2019 में बीजेपी तीसरे मोर्चे के रूप में सामने आई थी जहां उसने 4 सीटों पर जीत हासिल की। केरल की बात करें तो पिछले चुनाव में एनडीए एक भी सीट नहीं जीत पायी थी। हालांकि, उसने अपने वोट प्रतिशत में सुधार (15.64 प्रति?शत) किया था। इस बार भी पार्टी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। कर्नाटक की बात करें तो वहां पिछले चुनाव की तरह ही इस बार भी मुकाबला दो पार्टियों के बीच है। 2019 के चुनाव में जहां जनता दल (सेक्युलर) कांग्रेस की साथ थी इस बार वह बीजेपी के साथ गठबंधन में है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी मुख्य मुकाबला दो दलों के बीच है। ऐसा ही कुछ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, बिहार और झारखंड में भी है।

खुला बदन, हल्की-लम्बी दाढ़ी मूंछ, कंधे पर सफेद या हरा गमछा और बिना चप्पल-जूते तक संसद भवन में अंदर प्रवेश करने वाले शख्स को देखकर सभी हैरान रह जाते। झारखंड के सिंहभूम लोकसभा सीट से पांच पर सांसद और चाईबासा विधानसभा क्षेत्र से चार विधायक रहे बागुन सुम्ब्रुई की सादगी की चर्चा अब भी होती है। आधुनिक राजनीति के संत-महात्मा के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बागुन सुम्ब्रुई की चर्चा बहुपत्नियों के लिए भी होती है। दर्जी से राजनेता बने बागुन सुम्ब्रई ने अपना पहला चुनाव साइकिल को बंधक रखकर जीता था। वहीं झारखंड आंदोलन के दौरान बाहर लोगों पर 'भेलवा तेल' (ज्वलनशील तेल) डालकर इलाके से भगाने का काम किया, जिसकी चर्चा वक्त पूरे देशभर में हुई और इस कदम से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

बागुन सुम्ब्रई ने कभी साइकिल बंधक रखकर लड़ा था पहला चुनाव

40 साल तक सांसद और विधायक रहे ,इनकी सादगी मिशाल है



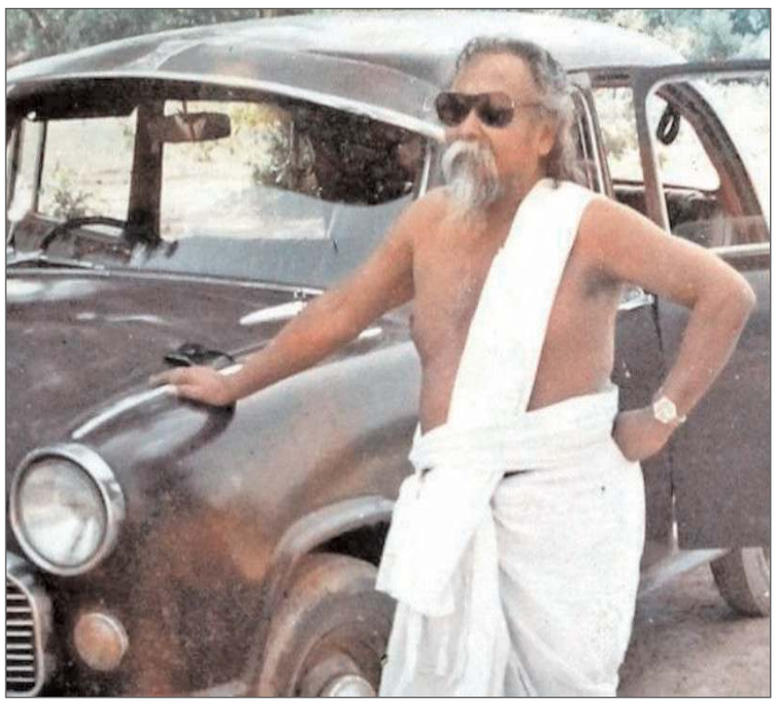
सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र और चाईबासा विधानसभा सीट का करीब चार दशक तक प्रतिनिधित्व कर चुके बागुन सुम्ब्रुई ने संसदीय राजनीति में अपनी अमिट पहचान बनाई। आजादी की लड़ाई के बाद कोल्हान क्षेत्र में झारखंड अलग राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बागुन सुम्ब्रुई अपनी सादगी और बहुपत्नियों के लिए देशभर में चर्चित रहे।

खुला बदन, हल्की-लम्बी दाढ़ी मूंछ, कंधे पर सफेद या हरा गमछा और बिना चप्पल-जूते तक संसद भवन में अंदर प्रवेश करने वाले शख्स को देखकर सभी हैरान रह जाते। झारखंड के सिंहभूम लोकसभा सीट से पांच पर सांसद और चाईबासा विधानसभा क्षेत्र से चार विधायक रहे बागुन सुम्ब्रुई की सादगी की चर्चा अब भी होती है। आधुनिक राजनीति के संत-महात्मा के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले बागुन सुम्ब्रुई की चर्चा बहुपत्नियों के लिए भी होती है। दर्जी से राजनेता बने बागुन सुम्ब्रई ने अपना पहला चुनाव साइकिल को बंधक रखकर जीता था। वहीं झारखंड आंदोलन के दौरान बाहर लोगों पर 'भेलवा तेल' (ज्वलनशील तेल) डालकर इलाके से भगाने का काम किया, जिसकी चर्चा वक्त पूरे देशभर में हुई और इस कदम से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

आजादी के बाद झारखंड आंदोलन की लड़ाई में कूदे

आजादी के पहले 1945 से ही बागुन सुम्बुई चाईबासा शहर के सदर बाजार में दर्जी का काम कर अपनी जीविकोपार्जन कर रहे थे। लेकिन सातवीं कक्षा तक पढ़े बागुन सुम्ब्रुई अलग झारखंड राज्य के आंदोलन में कूद गए। वे जयपाल सिंह मुंडा के करीब आए। बाद में उन्होंने अपने इलाके में झारखंड आंदोलन की कमान संभालने के साथ ही 'बिहारी झारखंड छोड़ो' का नारा दिया। इस आंदोलन को इलाके में जबरदस्त समर्थन मिला। आंदोलन में स्थानीय 'हो' भाषा नहीं जानने वाले करीब 500 बिहारी शिक्षकों को चिह्नित किया गया। बागुन सुम्ब्रुई के नेतृत्व में उन्हें खदेड़ दिया गया। इस आंदोलन में क्षेत्र से भागने वाले सभी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक थे। उनके नेतृत्व में झारखंड आंदोलन इतना उग्र हुआ कि बिहारी शिक्षक, कर्मचारी और ठेकेदार को पकड़ कर उनपर भेलवा तेल (ज्वलनशील) डाल दिया जाने लगा। इस आंदोलन से इलाके में बागुन सुम्बुई नायक के रूप में उभरे।

साइकिल बंधक रखकर पहला चुनाव 910 रुपये में जीता



1967 में बागुन सुम्ब्रुई ने सबसे पहले झारखंड पार्टी के टिकट पर चाईबासा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। निधन से कुछ दिन पहले बागुन सुम्ब्रई ने एक इंटरव्यू में बताया था पहले चुनाव में सिर्फ 910 रुपये खर्च हुआ। वे अपने समर्थकों के साथ साइकिल से पूरे विधानसभा में घूम-घूम कर प्रचार करते थे। चुनाव के अंतिम समय में पैसे के अभाव में इन्होंने अपनी साइकिल 125 रुपये में चाईबासा के टीनु ठाकुर को बंधक रख दी। चुनाव में जीत हासिल करने के छह महीने बाद पैसा देखकर साइकिल वापस ली। साल 1969 और 072 में भी वे झारखंड पार्टी उम्मीदवार के रूप में चाईबासा सीट से विजयी रहे। इस दौरान बागुन 1970 में बिहार में दारोगा प्रसाद राय के मंत्रिमंडल में वन एवं पर्यावरण और परिवहन मंत्री रहे। बाद में बिहार में कर्पूरी ठाकुर की सरकार में वर्ष 1971 में वे उत्पाद मंत्री बने।

1977 में जनता पार्टी के सहयोग से पहली बार पहुंचे संसद- वर्ष 1977 में बागुन सुम्ब्रई पहली बार जनता पार्टी के सहयोग से झारखंड पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सिंहभूम लोकसभा सीट से विजयी हुए। इसके बाद वर्ष 1980 में वे जनता पार्टी में शामिल हो गए और जनता पार्टी के टिकट पर लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। लेकिन 1984 में बागुन सुम्ब्रुई कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके बाद 1984 और 1989 में भी जीत हासिल की। इसके बाद वर्ष 2000 में चाईबासा सीट से विधायक बने और राबड़ी देवी की सरमार में मंत्री बने। अलग झारखंड राज्य गठन के बाद बागुन सुम्ब्रुई झारखंड विधानसभा के पहले उपाध्यक्ष बने।

40 वर्षों तक सांसद-विधायक और मंत्री रहे, संपत्ति नहीं बनाई- बागुन सुम्ब्रुई करीब 40 वर्षों तक सांसद-विधायक और मंत्री रहे, लेकिन संपत्ति बनाने पर कभी दिलचस्पी नहीं दिखाई। जीवनका के अंतिम समय में वे चाईबासा में अपने श्वसुर के घर भाड़े पर रहते थे, जबकि पैतृक गांव में खेतीबारी करते। पेंशन की राशि मिलती थी, उसी से उनका गुजर-बसर चलता रहा। अपने से काफी कम उम्र के जनप्रतिनिधियों को को करोड़पति बनते देखकर भी उनमें कोई ईष्याका भाव नहीं आता, वे अपने में संतुष्ट थे और लंबी बीमारी के बाद वर्ष 2018 में जमशेदपुर के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया।

बार-बार बदलना 'सवारी', साइकल पर पड़े न भारी

अखिलेश की बढ़ा सकती है टेंशन

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव का माहौल गरमाया हुआ है। तमाम राजनीतिक उठापटक के बीच समाजवादी पार्टी के भीतर का घमासान थम नहीं रहा है। पहले दो चरण के चुनाव में जिन सीटों पर सपा के लिए समीकरण मुफीद दिख रहे हैं, वहां भी पार्टी अनिर्णय और घमासान की स्थिति से जूझ रही है। गुरुवार को दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन सपा ने मेरठ से फिर उम्मीदवार बदल दिया। एक दिन पहले नामांकन करने वाले अतुल प्रधान का टिकट काटकर पूर्व विधायक योगेश वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा को उम्मीदवार बना दिया गया। इससे पहले मुरादाबाद में भी नामांकन के आखिरी दिन यह 'ड्रामा' दिखा था। पार्टी के भीतर अब यह चिंता गहराने लगी है कि 'साइकल' पर बार-बार सवारी बदलना कहीं भारी न पड़ जाए। यह स्थिति अखिलेश यादव की टेंशन बढ़ा सकती है।

(प्रेमशंकर मिश्र)

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर यूपी में माहौल गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी के भीतर घमासान की स्थिति है। बार-बार कैंडिडेट में बदलाव हो रहे हैं। अस्थिरता के कारण वोटरों में कंफ्यूजन बढ़ने और स्थानीय नेताओं के भीतर असंतोष पनपने का खतरा है। ऐसे में अखिलेश यादव की टेंशन बढ़ाने वाले परिणाम आ सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव का माहौल गरमाया हुआ है। तमाम राजनीतिक उठापटक के बीच समाजवादी पार्टी के भीतर का घमासान थम नहीं रहा है। पहले दो चरण के चुनाव में जिन सीटों पर सपा के लिए समीकरण मुफीद दिख रहे हैं, वहां भी पार्टी अनिर्णय और घमासान की स्थिति से जूझ रही है। गुरुवार को दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन सपा ने मेरठ से फिर उम्मीदवार बदल दिया। एक दिन पहले नामांकन करने वाले अतुल प्रधान का टिकट काटकर पूर्व विधायक योगेश वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा को उम्मीदवार बना दिया गया। इससे पहले मुरादाबाद में भी नामांकन के आखिरी दिन यह 'ड्रामा' दिखा था। पार्टी के भीतर अब यह चिंता गहराने लगी है कि 'साइकल' पर बार-बार सवारी बदलना कहीं भारी न पड़ जाए। यह स्थिति अखिलेश यादव की टेंशन बढ़ा सकती है।

5 लाख से अधिक मुस्लिम वोटर वाली मेरठ सीट से सपा आज तक जीत नहीं पाई है। आखिरी बार 1998 में पार्टी यहां दूसरे नंबर पर थी। 2004 और 2019 में सपा ने यहां खुद न लड़कर रालोद और बसपा उम्मीदवार का समर्थन किया था। इन दोनों दलों को तब जीत नहीं मिली। हालांकि, बसपा 2004 में जरूर दलित-मुस्लिम समीकरण साधकर जीत दर्ज करने में कामयाब हुई थी।



अब तक बंजर रही सीट पर भी सपा नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारी को लेकर अनिर्णय का शिकार रही। पहले यहां एडवोकेट भानु प्रताप सिंह को टिकट थमा दिया, जिन्हें पार्टी के ही बहुत लोग नहीं जानते थे।

मेरठ से टिकट के दावेदारों ने दबाव बनाया तो 1 अप्रैल को अतुल प्रधान उम्मीदवार बन गए। अपनी पत्नी के टिकट की पैरवी कर रहे पूर्व विधायक योगेश वर्मा ने फिर आस नहीं छोड़ी और लखनऊ में डेरा जमाए रखा। बुधवार रात उनको हरी झंडी दे दी गई और गुरुवार को सुनीता वर्मा ने सपा के अधिकृत उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरा।

मेयर चुनाव में गुटबाजी में पंचर हुई थी साइकल

मेरठ लोकसभा सीट के पांच विधानसभा क्षेत्रों में दो सपा के पास हैं। मेरठ कैंट से रफीक अंसारी और किठौर से शाहिद मंजूर विधायक हैं। रफीक भी पत्नी के लिए टिकट चाहते थे, लेकिन सफल नहीं हो पाए। टिकट को लेकर ऐसी ही लड़ाई पिछले साल अप्रैल-मई में हुए मेयर चुनाव में सपा पर भारी पड़ी थी। अखिलेश ने अतुल प्रधान की पत्नी को मेयर का टिकट दिया था, जिससे नाराज होकर शाहिद मंजूर और रफीक अंसारी घर बैठ गए थे। असर यह रहा कि यहां भाजपा का मुकाबला एआईएमआईएम के मुस्लिम चेहरे से हुआ और सपा तीसरे नंबर पर रही। इस बार भी चुनाव में गुटबाजी और घमासान चरम पर है। टिकट में बार-बार बदलाव इसे और हवा दे रहा है।

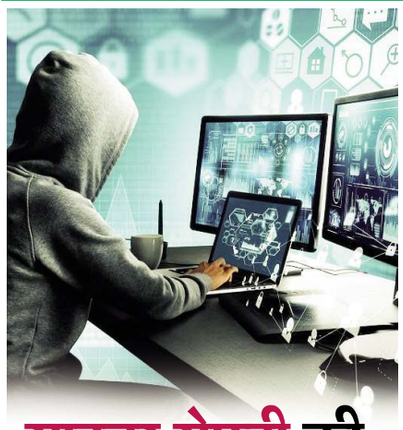
टिकट कटने की आशंका के बाद अतुल प्रधान ने पहले बागी तेवर दिखाए, लेकिन अखिलेश से बातचीत के बाद उनके सुर नरम पड़ गए। सुनीता वर्मा 2017 में मेरठ से बसपा के टिकट पर महापौर चुनी गई थीं। उनके पति योगेश वर्मा 2007 में बसपा से विधायक चुने गए थे, लेकिन इसके बाद जीत नसीब नहीं हुई। फिलहाल सुनीता के जरिए सपा की नजर दलित-मुस्लिम समीकरण पर है, लेकिन उसके लिए आपसी सिर फुटव्वल से निपटना होगा।

45 प्रतिशत अल्पसंख्यक आबादी, फिर भी कटा मुस्लिम का टिकट

मुरादाबाद की कुल आबादी में लगभग 45 प्रतिशत मुस्लिम हैं। इसका असर यहां के सियासी निर्णयों पर साफ दिखता है। यहां अब तक हुए 17 चुनावों में 11 बार मुस्लिम ही जीते हैं। सपा को चार बार जीत मिली है। तीन बार शफीकुर्रहमान बर्क सांसद बने और पिछली बार यहां से एसटी हसन जीते थे। हसन को इस बार भी उम्मीदवार बनाया गया, उन्होंने नामांकन भी कर दिया। लेकिन, नामांकन खत्म होने के एक दिन पहले उनका टिकट काटकर बिजनौर से आईं गैर-मुस्लिम नेता रूचि वीरा को पर्चा भरवा दिया गया। यह सियासी पैतरा किसी को समझ में नहीं आया, लेकिन अंदरखाने वजह आजम खां का दबाव बताया गया।

अल्पसंख्यक बहुल सीट पर जिस तरह हसन का टिकट कटा, उसको लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी के सुर मुखर हैं। हसन के भावुक बयान व उपेक्षा के सवाल इसे और हवा दे रहे हैं। उन्होंने वहां प्रचार मना कर दिया है। हालांकि, अब एक चिट्ठी वायरल की जा रही है, जिसमें अखिलेश की ओर से एसटी हसन की पैरोकारी की बात है। लेकिन, अंदरूनी कलह में टिकट से हाथ धो चुके हसन व उनके समर्थकों के लिए यह मरहम का काम करेगा, इस पर संशय है।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 9



साइबर सेफ्टी की फील्ड में ब्राइट करियर है एथिकल हैकिंग

हैकर शब्द सुनते ही हम थोड़ा डर जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई कंपनीज हैकर्स को हायर करती हैं हैकर्स की मदद से कंपनीज सिस्टम के लूपहोल्स जानने की कोशिश करती हैं ताकि मेलिशियस एलिमेंट्स से डाटा बचाया जा सके। कंपनीज के लिए यह काम करने वाले कहलाते हैं, एथिकल हैकर्स। साइबर सेफ्टी की फील्ड में एथिकल हैकिंग आज एक ब्राइट करियर है।

आज टेक्नोलॉजी जितनी तेजी से बढ़ रही है, इंटरनेट पर साइबर क्राइम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। इमेल एकाउंट हैक करना, सेंसिटिव डाटा चोरी करना, फर्जी मेल्स के जरिए पर्सनल डीटेल्स जानना, पासवर्ड्स डिटेक्ट करना कुछ ऐसे क्राइम्स हैं, जो हैकर्स आसानी से करते हैं. हालांकि इनके पीछे सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स भी बड़ा कारण हैं। कंपनियां इन्हीं लूपहोल्स को डिटेक्ट करने के लिए हैकर्स की मदद लेती हैं, जिन्हें कहते हैं, एथिकल हैकर्स। आज एथिकल हैंकिंग एक फुल-फ्लेज्ड करियर बन चुका है।

क्या है एथिकल हैकिंग?

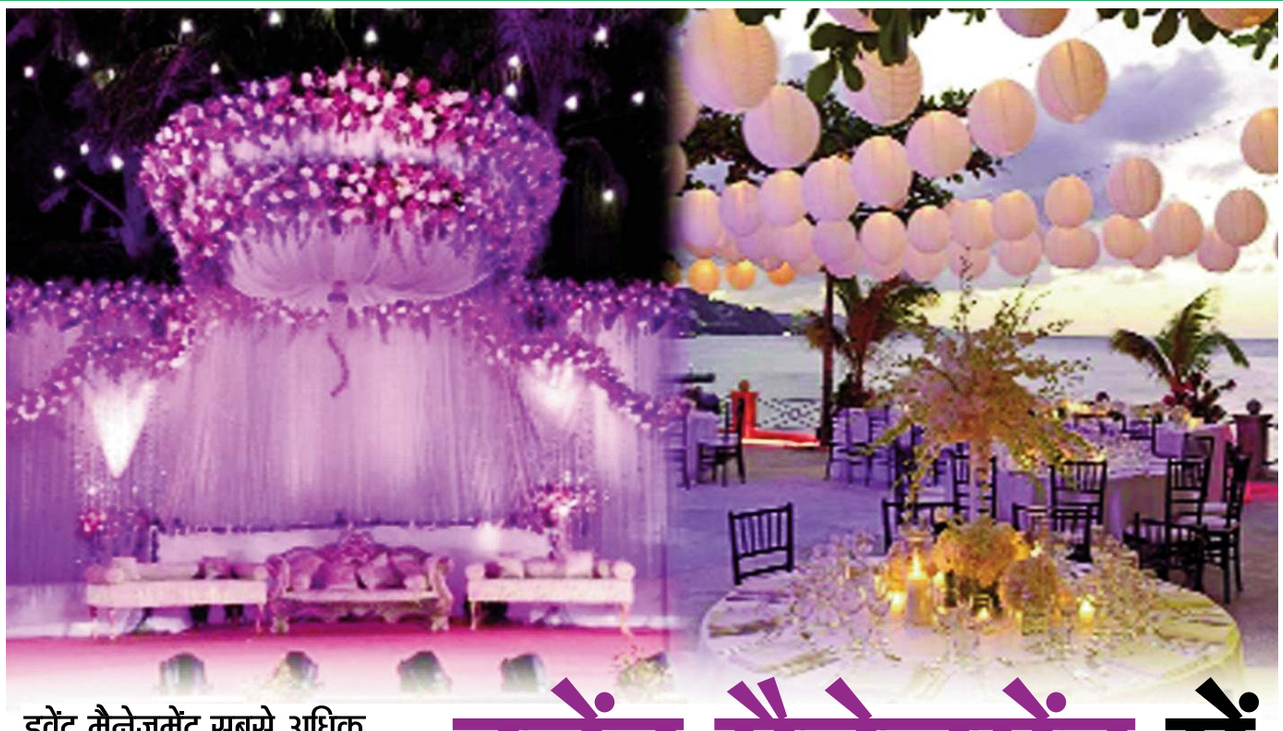
एथिकल हैकर कंप्यूटर एक्सपर्ट्स का नेटवर्क होता है, जो आईटी सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स को ढूंढते हैं और उन्हें दूर करते हैं ताकि सिस्टम सेफ रहे और मेलिशियस हैकर्स इसे हैक न कर पाएं। इसे पेनिट्रेशन हैकिंग भी कहा जाता है। इस काम को करने वाले प्रोफेशनल्स टेक्निकली काफी स्किल्ड होते हैं।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट होना या कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा आपको सी, सी++, पायथन, रूबी जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस की जानकारी होनी चाहिए।आप सर्टिफिकेट कोर्स इन साइबर लॉ, एमएससी इन साइबर फॉरेन्सिक्स एंड इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ, एडवांस डिप्लोमा इन एथिकल हैकिंग, सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग, सर्टिफाइड इन्फॉर्मेशन सिस्टम सेक्योरिटी प्रोफेशनल जैसे कोर्सेज कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक अच्छा एथिकल हैकर वही बन सकता है, जो कंप्यूटर सेवी और गैजेट फ्रेंडली हो। आपमें एनालिटिकल थिंकिंग और डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज होनी चाहिए, साथ ही इनिशिएटिव लेने और प्रॉब्लम सॉल्व करने की एबिलिटी भी होनी चाहिए। नए चेंजेस एडैप्ट करना और खुद को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर और सिस्टम को टेस्ट करते समय अचानक आने वाले ट्रबलशूट्स को डील करने की क्वॉलिटी भी आपमें होनी चाहिए।



इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कैरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है -

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विजुअलाइज़िंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं - शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है -

- **वेडिंग प्लानर** - ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** - स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** - रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** - एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** - इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** - इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।



ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते हैं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाएं इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन बि?जनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैककर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हांलाकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।



डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाएं कॅरियर, मिलेगी जबरदस्त ग्रोथ

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

BTech- Data Science

यह का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

यह भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती आईटी इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो, अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 10

संक्षिप्त समाचार



केपीआई ग्रीन एनर्जी को खरीदने की लूट, 6 महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की प्रमुख कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर लगातार अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दे रहा है। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर पिछले छह महीने में 196 प्रतिशत चढ़ गए हैं। केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर मंगलवार को 3.1 प्रतिशत चढ़कर 1740.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि आज बुधवार 17 अप्रैल को राम नवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। सोलर एनर्जी प्रोडक्शन सेक्टर में काम करने वाली कंपनी, सोलरिज्म ब्रांड के तहत एक इंडिपेंडेंट बिजली प्रोड्यूसर और कैप्टिव बिजली प्रोड्यूसर ग्राहकों के लिए सर्विस प्रोवाइडर दोनों के रूप में काम करती है। नवंबर के बाद से इसके शेयरों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। इस दौरान इसने 209 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस साल 26 फरवरी में स्टॉक 1,890 प्रति शेयर के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था। क्लीन एनर्जी सोर्सेज की बढ़ती मांग केपीआई ग्रीन एनर्जी जैसी रिन्युएबल एनर्जी कंपनियों के लिए अपनी बाजार उपस्थिति का विस्तार करने का अवसर है। बता दें कि भारत में बिजली की मांग बढ़ने के साथ पिछले सात सालों में सोलर एनर्जी लगातार नई बिजली कैपासिटी वृद्धि के प्राथमिक स्रोत के रूप में उभरी है। 2030 तक 280 गीगावॉट सौर ऊर्जा हासिल करने का भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की संभावनाओं को और मजबूत करता है। इसके अलावा फरवरी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना से देशभर में सोलर एनर्जी प्रोडक्शन की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

195 के शेयर में रॉकेट जैसी तेजी, लगातार दे रहा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिए हैं। कंपनी के शेयर पिछले तीन साल में 187.61 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 16 अप्रैल, 2021 को यह शेयर 195 रुपये पर बंद हुआ था और इस साल 16 अप्रैल, 2024 तक यह बढ़कर 562 रुपये पर आ गया। यानी इस अवधि में 187.61 प्रतिशत चढ़ गया है। इसकी तुलना में सेंसेक्स तीन साल में 49.38 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें कि बीते मंगलवार को यह शेयर 3 प्रतिशत तक चढ़कर 565.45 रुपये पर पहुंच गया था। आज रामनवमी के अवसर पर शेयर बाजार बंद है। आपको बता दें कि वुडपैनल उद्योग का स्टॉक एक साल में 83 प्रतिशत बढ़ा है और छह महीने में 37.42 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 7170 करोड़ रुपये हो गया। तकनीकी के संदर्भ में, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 57.8 पर है, जो दर्शाता है कि स्टॉक न तो ओवरसोल्ड और न ही ओवरबॉट क्षेत्र में कारोबार कर रहा है। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के शेयर 5 दिन, 10 दिन, 20 दिन 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग औसत से ऊंचे हैं। एंटीक ब्रोकिंग ने ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के लिए 670 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। यह मौजूदा प्राइस से 20 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जेएम फाइनेंशियल ने 600 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ प्लाइवुड स्टॉक पर होल्ड रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 26 तक रेवेन्यू 21 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। बता दें कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए पांच प्रमोटरों के पास फर्म में 50.98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 18,017 सार्वजनिक शेयरधारकों के पास 49.02 प्रतिशत हिस्सेदारी या 6.25 करोड़ शेयर थे।

ग्रोसरी चेन को खरीदने के लिए लाइन में खड़े हैं टाटा, अंबानी और दमानी !

4सेवन को बेचने की फिराक में है गॉडफ्रे फिलिप्स



नईदिल्ली, एजेंसी। के.के. मोदी ग्रुप के निवेश वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स अपने रिटेल ग्रोसरी चेन 24सेवन को बेचने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए उसकी टाटा ट्रेंट, रिलायंस रिटेल और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के साथ बातचीत कर रही है। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया ने 12 अप्रैल को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था कि वह घाटे में चल रही 24सेवन चेन से बाहर निकलने की योजना बना रही है। कंपनी के रिटेल बिजनस डिवीजन की विस्तृत समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। एक सूत्र ने बताया कि गॉडफ्रे फिलिप्स की विभिन्न कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है और यह वैल्यूएशन पर निर्भर करेगी। सूत्र ने कहा कि मोदी ग्रुप की लीडरशिप ने अब तक इस बारे में ऐसे ग्रुप्स के साथ बातचीत की है, जिनके बीच स्पष्ट तालमेल है। बातचीत विभिन्न चरणों में है। 24सेवन दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पंजाब और हैदराबाद में लगभग 145 स्टोर ऑपरेट करता है। साल 2005 में शुरू की गई यह चेन के स्टोर्स में किराना, स्टेपल, स्नैक्स, पेय पदार्थ, पर्सनल केयर उत्पाद, मोदी ग्रुप के अपने ब्यूटी ब्रांड कलरबार के प्रॉडक्ट मिलते हैं। साथ ही कुछ बड़े फॉर्मेट स्टोर्स पर रेडी-टू-ईट फूड काउंटर भी हैं। सूत्र ने कहा, ग्रोसरी रिटेल सेक्टर में काफी तेजी दिख रहा है और घाटे के बावजूद 24सेवन फॉर्मेट का विस्तार संभव है।

कौन-कौन हैं रेस में: एक अन्य सूत्र ने कहा कि टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड ग्रोसरी चेन स्टार बाजार को ऑपरेट करती है। लेकिन ग्रोसरी का उसके कुल रिटेल बिजनस में छोटा हिस्सा है। 24सेवन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। ट्रेंट की दूसरी रिटेल चेन में वेस्टसाइड और जूडियो ने स्टार बाजार की तुलना में काफी तेजी से अपना विस्तार किया है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की टेक्सस की कंपनी 7-इलेवन ब्रांड के साथ पार्टनरशिप है। कंपनी करीब 50 स्टोर ऑपरेट करती है। इसकी शुरुआत 2021 में हुई थी। एक सूत्र ने कहा कि अगर रिलायंस 24सेवन को खरीदती है तो वह अपनी कनवीनिएंट स्टोर चेन को इसमें मर्ज कर सकती है। दोनों फॉर्मेट एक ही तरह के हैं। इसी तरह डीमार्ट चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स की भी 24सेवन पर नजर है। उसका बिजनस मुख्य रूप से ग्रोसरी केंद्रित है और वह इस सेगमेंट को तेजी से बढ़ाना चाहती है।

मोदी एंटरप्राइजेज के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर मोदी ने इस बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। टाटा ट्रेंट और एवेन्यू सुपरमार्केट्स के प्रवक्ताओं ने भी इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस रिटेल के प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा, हम मीडिया की अटकलों और अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स के रिटेल बिजनस डिवीजन ने फाइनेंशियल ईयर 2023 में परिचालन से 396 करोड़ का रेवेन्यू कमाया जो कंपनी के कुल रेवेन्यू का 9.3 प्रतिशत है। कंपनी मुख्य रूप से सिगरेट बनाती है। लेकिन कंपनी के रिटेल बिजनस डिवीजन घाटे में रही थी।

सोने का भाव अभी और उछलेगा अप्रैल में 6262 रुपये हुआ महंगा



नईदिल्ली, एजेंसी। शादियों का सीजन आज से शुरू हो रहा है। बारात में बैंड बाजों का शोर रहेगा, लेकिन इजरायल-ईरान के बीच जंग के आसार से सर्राफा बाजारों की रौनक गायब है। सोने-चांदी की कीमतें शोर मचा रही हैं। अप्रैल में सोना 6262 रुपये महंगा हुआ है तो चांद के दाम 9505 रुपये बढ़े हैं।

सर्राफा बाजारों में मंगलवार 16 अप्रैल को को 24 कैरेट सोने का औसत भाव 73514 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच। जबकि, चांदी भी 83632 रुपये प्रति किलो के नए शिखर पर पहुंच गई। हालांकि, अंत में गोल्ड 999 थोड़ा नरम होकर 73302 रुपये और चांदी 83213 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई।

दो महीने में सोना 11506 रुपये उछला: 23 फरवरी 2024 को सोना 62008 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक करीब दो महीने में ही सोना 11506 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया है। जबकि, चांदी 13979 रुपये प्रति किलो उछली। 23 फरवरी को चांदी के रेट प्रति किलो 69653 रुपये थे।

सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो।

क्यों उछल रहे सोना-चांदी: केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं। चीन के केंद्रीय बैंक ने लगातार 16 महीनों तक सोना खरीदा है। दूसरी ओर जनवरी में आरबीआई ने 8,700 किलोग्राम सोना खरीदा। दूसरी ओर पश्चिम एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनाव भी कीमती धातुओं की कीमतों में इजफे का एक कारण रहा है। केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया कहना है कि सोने की कीमतों में बढ़ोतरी का एक अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये की हालिया कमजोरी भी है। रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। सोने की कीमतें कम होने की उम्मीद अभी कम है।

जिस कंपनी ने अडानी के बुरे दिनों में दिया साथ, उसने वोडाफोन आइडिया पर भी रखा हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी के बुरे दिनों में संकट मोचक के रूप में साथ देने वाली कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अब तंगहाल वोडाफोन आइडिया का हाथ पकड़ा है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने वोडाफोन आइडिया में भारी निवेश किया है। बता दें पब्लिक इन्वेस्टर्स के लिए अपने मेगा एफपीओ के ओपनिंग से ठीक पहले, वोडाफोन आइडिया ने अपने एंकर बुक आवंटन को बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने प्रमुख वैश्विक और घरेलू निवेशकों से लगभग 5,400 करोड़ रुपये जुटाए लिए हैं। एंकर बुक को सब्सक्राइब करने वाले प्रमुख निवेशकों में जीक्यूजी पार्टनर्स के अलावा यूबीएस, मॉर्गन स्टेनली इंडिया इन्वेस्टमेंट फंड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स मॉरीशस, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी शामिल हैं। जीक्यूजी पार्टनर वही है, जिसने संकट के समय में अडानी ग्रुप पर भरोसा जताया था। इस कंपनी ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में हिस्सेदारी खरीद रखी है। इस लिस्ट में अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्युशन्स लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी का नाम शामिल है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उसकी पूंजी जुटाने वाली समिति ने एंकर निवेशकों को कंपनी के 490.9 करोड़ इक्विटी शेयरों के आवंटन को मंजूरी दे दी है। 16 अप्रैल, 2024 को हुई कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक हुई। इसमें बुक रनिंग लीड मैनेजरों के कंसल्ट से एंकर निवेशकों को 4,90,90,90,908 इक्विटी शेयरों के आवंटन को अंतिम रूप दिया गया। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में कहा, एंकर निवेशक एलोकेशन प्राइस 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है।



देश का सबसे बड़ा एफपीओ

नकदी संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने 10 से11 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड पर 18,000 करोड़ रुपये के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर की घोषणा की है। यह देश का सबसे बड़ा एफपीओ है।

वोडाफोन आइडिया वर्तमान में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल से बड़े अंतर से पीछे है। यह धनराशि वीआईएल को बहुत 5जी रोलआउट और 4जी सेवाओं को मजबूत करने में मदद करेगी।

वीआईएल का फॉलो-ऑन ऑफर सार्वजनिक निवेशकों के लिए 18 को खुलेगा और 22 अप्रैल को बंद होगा। एफपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड हैं।

बाबा रामदेव की कंपनी पर फिदा हुए विदेशी निवेशक, बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी



नईदिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर बीते मंगलवार को फोकस में थे। कंपनी के शेयरों में लगभग 7 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी और यह 1424.10 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक अच्छी खबर है। दरअसल, विदेश निवेश कंपनी लक्तस पार्टनर्स ने मार्च तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। बता दें कि आज बुधवार को रामनवमी के मौके पर शेयर बाजार बंद है। लक्तस पार्टनर्स ने मार्च 2024 तिमाही में पतंजलि फूड्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 11.48 प्रतिशत कर दी है। इससे पहले दिसंबर 2023 तिमाही में 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली एफएमसीजी फर्म के शेयर बीएसई पर 1335.50 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 6.62 प्रतिशत बढ़कर मंगलवार को 1424.10 रुपये पर पहुंच गए थे। बाद में, बीएसई पर पतंजलि फूड्स के शेयर 5.41 प्रतिशत बढ़कर 1407.70 रुपये पर बंद हुए थे।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ, देश में उत्पादन घटने से चालू वित्त वर्ष में भी हो सकता है इजाफा



नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपायों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें अब भी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था। सरकार से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को स्थिर रखने के लिए केंद्र ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। हाल के दिनों में दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं।

इससे पहले सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। देश में आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऐसे में सरकार के लिए दालों की कीमतें ना बढ़ें यह बड़ी चिंता का विषय है। कीमतों पर नियंतण के लिए 15 अप्रैल (सोमवार) को दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

23 अप्रैल से खुल रहा आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। अगले सप्ताह से एक और कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ है। हीटिंग इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया लिमिटेड का आईपीओ 23 अप्रैल को खुलेगा। निवेशक इस इश्यू में 25 अप्रैल तक पैसे लगा सकेंगे। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 22 अप्रैल को खुलेगा। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक द्वारा 84.21 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

इस साल सस्ता हो गया है 717 प्रतिशत चढ़ने वाला मल्टीबैगर स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के शेयर इस साल भले ही 3.67 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन पिछले 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस अवधि में इसने 717 पर्सेंट का छप्परफाड़ रिटर्न दे चुका है। पॉलीकैब ने एक साल में 71 प्रतिशत और दो साल में 101 प्रतिशत की छलांग लगा चुका है। तीन वर्षों में स्टॉक 275 प्रतिशत चढ़ा है। पॉलीकैब इंडिया के शेयरों ने 2024 में निगेटिव रिटर्न दिया है। फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिक गुड्स (स्वस्थल) स्टॉक इस साल 3.67 प्रतिशत नीचे है। केबल और तार बनाने वाली कंपनी के शेयर 14 दिसंबर, 2023 को 5722.90 रुपये के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 8 प्रतिशत नीचे हैं।

पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड देश की सबसे बड़ी तार और केबल निर्माता कंपनी है। मंगलवार को पॉलीकैब इंडिया का शेयर एनएसई पर 5272.95 रुपये पर बंद हुआ। पॉलीकैब इंडिया का एक साल का बीटा 0.3 है, जो इस अवधि के दौरान बहुत कम अस्थिरता का संकेत देता है। टेक्नीकल चार्ट पर स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 63.6 पर है। यानी यह स्टॉक न तो ओवर बॉट जोन में है और न ही ओव सेल गया है। पॉलीकैब इंडिया के शेयर 20 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 200 दिन से अधिक, लेकिन 5 दिन और 10 दिन के मूविंग औसत से कम पर कारोबार कर रहे हैं।

पॉलीकैब इंडिया टार्गेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म बीएनपी पारिबा को उम्मीद है कि 2024 में ईबीआईटीडीए मार्जिन में 20 बीपीएस की मामूली गिरावट होकर 13.9 प्रतिशत हो जाएगी। यह मुख्य रूप से साल-दर-साल कम निर्यात और एफएमईजी डिवीजन मार्जिन पर दबाव के कारण होगा। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने पॉलीकैब स्टॉक पर कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने कहा, हम अपने लक्ष्य मूल्य 7,500 रुपये तक पहुंचने के लिए पॉलीकैब को एफवाय26ई इपीएस के 50 गुना पर महत्व देते हैं।

निर्मल बंग ने 5255 रुपये का लक्ष्य दिया है। ब्रोकरेज ने कहा, पॉलीकैब ने अपनी आक्रामक मार्केटिंग, व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो और उत्पादों की त्वरित उपलब्धता के कारण बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखा है।

पॉलीकैब की वित्तीय सेहत

पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में, पॉलीकैब ने दिसंबर 2022 तिमाही में 361 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट के मुकाबले लाभ में 15 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 416.5 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। पॉलीकैब इंडिया का राजस्व तीसरी तिमाही में 4340.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3715.1 करोड़ रुपये के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है।

इस जोड़ी ने ऐसा सा बिजनेस शुरू किया छप्परफाड़ कमाई

4 साल में करोड़पति



नईदिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको जिस जोड़ी से मिलाने जा रहे हैं, उसने बेहद मुश्किल वक्त में अपने वेंचर की शुरुआत की। वह वक्त था कोरोना महामारी का। तब सबकुछ बंद था। हालांकि, यह मुश्किल स्थिति भी समीर मिराजकर और विराज सावंत को कुछ अलग करने से रोक नहीं पाई। दोनों होटल मैनेजमेंट ग्रेजुएट हैं। साल 2020 में इन्होंने इनकान नाम का वेंचर शुरू किया था। इसे अलग-अलग फ्लेवर में लो-कैलोरी कैन्ड कॉकटेल बनाने में महारत है। इस स्टार्टअप का वैल्यूशन 4 सालों में 80 करोड़ रुपये हो गया है।

मुश्किल वक्त में शुरुआत: यह कोरोना महामारी का वो समय था जब समीर और विराज को इनकान का आइडिया आया। उन्होंने एक ऐसी परफेक्ट कॉकटेल के बारे में सोचा जिसे आसानी से एक ही कैन में पैक किया जा सके। घर के बाहर जाए बगैर या कई तरह की चीजों को जुटाने की जद्दोजहद से गुजरे बिना बार-क्वालिटी वाली कॉकटेल की पेशकश लुभावनी थी। इस तरह परेशानी से मुक्त हाई क्वालिटी कॉकटेल अनुभव मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ इनकान की शुरुआत की गई थी।

शार्क टैंक इंडिया में गए: समीर और विराज अपने प्रोडक्ट को शार्क टैंक इंडिया पर भी लेकर गए थे। उन्होंने 2 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 50 लाख रुपये के निवेश की मांग की थी। इस मूल्यांकन ने उनके बिजनेस को 25 करोड़ रुपये पर खड़ा कर दिया था।

सभी जज हुए फिदा

प्रोडक्ट की क्वालिटी और उनके बिजनेस मॉडल की क्षमता ने शार्क टैंक के जजों का ध्यान आकर्षित किया था। समीर और विराज ने ऑल-शार्क डील हासिल की थी। इसमें शार्क टैंक के पांचों जजों ने 10 प्रतिशत इक्विटी के लिए कुल 1 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस सौदे से उनके कारोबार का वैल्यूशन 10 करोड़ रुपये आंका गया।

स्टार्टअप ने पकड़ी तेजी

शार्क टैंक इंडिया पर अपनी उपस्थिति के बाद से इनकान ने शानदार बढ़त दर्ज की है। नवंबर 2023 तक कंपनी ने अपने परिचालन का विस्तार महाराष्ट्र, पुणे, गोवा, पांडिचेरी, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश तक कर दिया। समीर और विराज ने फंडिंग का एक और राउंड भी क्लोज कयिा है। इसमें कंपनी का वैल्यूशन 80 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उनकी भविष्य की योजनाओं में अगले दो वर्षों के भीतर देशभर में अपनी पहुंच का विस्तार करना शामिल है। वे अपने फ्लेवर प्रोफाइल को लगातार विकसित करने और अपने स्टॉक में नए पसंदीदा कॉकटेल जोड़ने की भी योजना बना रहे हैं।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 11

संक्षिप्त समाचार

मायकोलास ने 38 साल पुराना डिस्कस थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

74.35 मीटर दूर चक्का फेंका

रामोना (अमेरिका), एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने डिस्कस थ्रो का 38 साल पुराना विश्व कीर्तिमान भंग कर दिया। उन्होंने 1986 में जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट की ओर से स्थापित 74.08 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। अलेक्ना ने ओकलाहामा थ्रोज सीरीज



कंपटीशन में 243 फुट 11 इंच (74.35 मीटर) दूर चक्का फेंका। वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक अलेक्ना का थ्रो 244 फुट 1 (74.41 मीटर) इंच नापा गया था, लेकिन बाद में इसे 74.35 मीटर कर दिया गया। हालांकि रिकॉर्ड को अभी वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता मिलना बाकी है। 21 वर्षीय एलेक्ना कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जूनियर हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में दो बार पदक जीत चुके हैं। 2022 में उन्होंने रजत और बीते वर्ष उन्होंने कांस्य पदक जीता था। एलेक्ना ने अपने पिता वर्जीलियस एलेक्ना को भी पीछे धकेल दिया है। शुल्ट के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो वर्जीलियस की 73.88 मीटर थी, जो अब तीसरे स्थान पर आ गई है। एलेक्ना ने यह रिकॉर्ड क्यूबा की यामे पेरेज की ओर से एक दिन पहले ही फेंकी गई महिलाओं की सर्वश्रेष्ठ थ्रो 73.09 के बाद बनाया है।

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

● टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के



लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

वनमैन आर्मी जोस बटलर...

कोलकाता नाइट राइडर्स के जबड़े से छीना मैच, जड़ा दमदार शतक



कोलकाता, एजेंसी। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में धूम मचा दी है. राजस्थान टीम ने मंगलवार (16 अप्रैल) को ईडन गार्डन्स में खेले गए रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ ही राजस्थान टीम ने पॉइंट्स टेबल में अपना नंबर-1 का ताज बरकरार रखा है. संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान टीम ने अब तक 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं. इस जीत के साथ अब राजस्थान टीम अपनी नंबर-1 की पोजिशन मजबूत कर ली है. दूसरी ओर कोलकाता टीम ने अब तक 6 में से 4 मुकाबले जीते हैं.

बटलर अकेले डटे रहे और टीम को जीत दिलाई

ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में कोलकाता टीम ने 224 रनों का टारगेट सेट किया था, जिसके जवाब में राजस्थान टीम शुरुआत से ही लड़खड़ाती नजर आई. एक समय टीम ने 186 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे और जीत के लिए 15 गेंदों पर 38 रनों की जरूरत थी. उस समय जोस बटलर क्रीज पर थे और उन्होंने हार नहीं मानी. बटलर ने अकेले के दम पर राजस्थान को मैच जिताया. साथ ही उन्होंने अपना भी शतक पूरा किया. बटलर ने 60 गेंदों पर नाबाद 107 रनों की पारी खेली. इस दौरान 6 छक्के और 9 चौके जमाए. बटलर की पारी के बदौलत राजस्थान ने 8 विकेट गंवाकर मैच जीत लिया. बटलर के अलावा रियान पराग ने 14 गेंद पर 34 रन बनाए. आखिर में रोवमैन पॉवेल ने 13 गेंदों पर 26 रन जड़े. बटलर और पॉवेल के बीच 27 गेंदों पर 57 रनों की पार्टनरशिप हुई थी, जो बेहद अहम रही. दूसरी ओर केकेआर टीम के लिए हर्षित राणा, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट हासिल किए. जबकि वैभव अरोड़ा को 1 सफलता मिली.

राजस्थान की पारी का स्कोरकार्ड: (224/8, 20 ओवर)

बल्लेबाज	रन	गेंदबाज	विकेट पतन
यशस्वी जायसवाल	19	वैभव अरोड़ा	1-22
संजू सैमसन	12	हर्षित राणा	2-47
रियान पराग	34	हर्षित राणा	3-97
ध्रुव जुरेल	2	सुनील नरेन	4-100
रविचंद्रन अश्विन	8	वरुण चक्रवर्ती	5-121
शिमरोन हेटमायर	0	वरुण चक्रवर्ती	6-121
रोवमैन पॉवेल	26	सुनील नरेन	7-178
ट्रेंट बोल्ट	0	रनआउट	8-186

नरेन की तूफानी शतकीय पारी से बना बड़ा स्कोर

मैच में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी कोलकाता टीम ने 6 विकेट गंवाकर 223 रन बनाए. टीम के लिए सुनील नरेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 49 गेंदों पर शतक जड़ दिया. मैच में नरेन ने 56 गेंदों पर कुल 109 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 13 चौके जमाए. जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 30 रन बनाए. दूसरी ओर राजस्थान टीम के सभी गेंदबाजों की जमकर धुलाई हुई.

नारायण ने जड़ा टी20 करियर का पहला शतक

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में सुनील नारायण के बल्ले से एक शतकीय पारी देखने को मिली है। अपनी जादूई गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले सुनील नारायण ने इस बार बतौर बल्लेबाज कमाल का प्रदर्शन किया है। सुनील नारायण ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच में शतक जड़ा। ये उनकी टी20 करियर का पहला शतक भी है।



सुनील नारायण ने जड़ा पहला शतक

सुनील नारायण साल 2011 से टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं। लेकिन 13 साल के उनके करियर में ये पहला मौका है जब उन्होंने शतक जड़ा है। सुनील नारायण इस बार आईपीएल में केकेआर के लिए ओपनिंग कर रहे हैं और वह मैनेजमेंट के फैसले पर खरे भी उतरे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने शतक तक पहुंचने के लिए 11 चौके और 6 छक्के जड़े। नारायण इस मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा – सुनील नारायण ने इस शतक के साथ आईपीएल में एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया है। सुनील नारायण आईपीएल में शतक जड़ने के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले आईपीएल में ये कारनामा किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। वहीं, नारायण के इतिहास के तीसरे खिलाड़ी बने हैं जिसने इस लीग में शतक जड़ा है और हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया है।

ट्रेंट बोल्ट की स्टंप तोड़ यॉर्कर ने

कर दिया लाखों का नुकसान!



क्या अब करनी पड़ेगी भरपाई?

कोलकाता, एजेंसी। ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल 2024 के 31वें मुकाबले में एक ऐसी यॉर्कर डाली कि स्टंप ही टूट गया. बोल्ट ने अपनी एक यॉर्कर से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान कर दिया. स्टंप टूटने के बाद खेल को कुछ देर तक रोका भी गया. ईडन गार्डन्स में टूर्नामेंट का 31वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया था. इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के ट्रेंट बोल्ट ने खतरनाक यॉर्कर से सुनील नरेन को चलता किया था. लेकिन बोल्ट की यॉर्कर से जो स्टंप टूटा, उसकी उन्हें भरपाई करनी पड़ेगी?

पहली पारी में 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को यॉर्कर पर बोल्ड कर पवेलियन भेजा. बोल्ट की इस गेंद से स्टंप टूट गया था, जिसकी वजह से कुछ देर खेल रुका क्योंकि नया स्टंप लाकर लगाने में वक्त लगा. इस आईपीएल नए तरह के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसमें अलग-अलग मौकों पर अलग लाइट्स जलती हैं. जैसे- चौका-छक्का लगाने पर अलग लाइट्स, वाइड और नो बॉल होने पर अलग तरह की लाइट्स स्टंप में फ्लैश होती हैं.

10 लाख रुपये के करीब एक स्टंप की कीमत

एक साइड तीन स्टंप लगाए जाते हैं और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसमें एक स्टंप की कीमत करीब 10 लाख रुपये होती है. ऐसे में दोनों तरफ 30-30 लाख रुपये के स्टंप्स का इस्तेमाल किया जाता है. यही कराण है कि अब पहले के जैसे खिलाड़ियों को मैच जीतने के बाद स्टंप निकालने की इजाजत नहीं होती है. पहले जब लकड़ी वाले स्टंप का उपयोग होता था तब खिलाड़ी मुकाबला जीतने के बाद स्टंप निकलाकर ले जाते थे.

क्या ट्रेंट बोल्ट को करनी पड़ेगी 10 लाख की भरपाई?

तो आपको बता दें कि ऐसा किसी भी तरीके का कोई नियम नही हैं. अगर गेंदबाज़ अपनी बॉलिंग से स्टंप तोड़ता है, तो उसे किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है. ऐसा कई मौकों पर देखा गया है कि अक्सर गेंदबाज़ अपनी तेज़ तर्रार गेंदों से स्टंप तोड़ देते हैं, लेकिन उन्हें किसी भी तरह की कोई भरपाई नहीं करनी होती है.

कैंडिडेट्स शतरंज

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ





खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई पेरिस ओलिंपिक मशाल

26 जुलाई से शुरू होगें गेम्स, ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद रहीं

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया। पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक प्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं।



1928 से जलाई जा रही है ओलिंपिक मशाल

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है।

पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा– पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था।

विजडन टॉप-5 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में तीन ऑस्ट्रेलियाई: कमिंस लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड, हेड ने विजडन ट्रॉफी जीती



नईदिल्ली, एजेंसी। विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। विजडन 1889 से हर साल यह लिस्ट जारी कर रहा है। सिलेक्शन पिछले इंग्लिश सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर होता है। कोई भी खिलाड़ी एक से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है। विजडन के एडिटर लॉरेंस बूथ ने मंगलवार को पांचों नामों की घोषणा की।

कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया तीन बड़े टूर्नामेंट जीता– ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और नैट साइवर-ब्रंट को विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड से सम्मानित किया गया है। विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड अवॉर्ड दुनिया के कुछ सबसे अनुभवी लेखकों और कमेंटेटर्स के परामर्श से विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक के एडिटर द्वारा दिया जाता है। सिलेक्शन पिछले कैलेंडर ईयर में दुनिया भर में कहीं भी खिलाड़ी के परफॉर्मेंस पर आधार पर होता है। खिलाड़ी एक से ज्यादा बार अवॉर्ड जीत सकते हैं। कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। दोनों का फाइनल भारत के खिलाफ खिलाफ खेला गया था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में पिछले साल इंग्लैंड में 2-2 से एशेज सीरीज भी ड्रॉ हुई थी।

18.04.2004_18.04.2004.qxd 4/17/2024 10:37 PM Page 12





भगवान शिव के किरदार में नजर आ सकते है साउथ सुपरस्टार प्रभास

प्रभास मांचू विष्णु के ड्रीम प्रोजेक्ट कन्नप्पा में कैमियो रोले निभाते हुए नजर आएंगे। ऐसी अटकलें हैं कि प्रभास फिल्म में भगवान शिव के रूप में नजर आएंगे। अब प्रभास के किरदार को लेकर नया अपडेट सामने आया है। साउथ सुपरस्टार प्रभास मांचू विष्णु के ड्रीम प्रोजेक्ट कन्नप्पा में एक अतिथि भूमिका में दिखाई देंगे, जिसकी शूटिंग चल रही है। फिल्म में कई मशहूर कलाकार प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि प्रभास फिल्म में भगवान शिव के रूप में नजर आएंगे, लेकिन टीम ने चुप्पी साध रखी है और उनकी भूमिका के बारे में कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं अब खबर आई है कि प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उम्मीद है कि वे जल्द ही सेट पर शामिल होंगे और एक ही शेड्यूल में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेंगे।



चमकीला में काम न कर पाने का कपिल शर्मा को मलाल

द ग्रेट इंडियन कपिल शो इन दिनों नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहा है। हालिया एपिसोड में अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला का प्रचार करने के लिए दिलजीत दोसांझ, परिणीति चोपड़ा और इम्तियाज अली पहुंचे थे। अब इस एपिसोड का बचा हुआ कंटेंट भी यूट्यूब पर आ गया है। कपिल शर्मा के चैनल पर इस शो के पर्दे के पीछे का वीडियो साझा किया गया है। इस वीडियो क्लिप में कपिल ने उस घटना को याद करते हुए कहा, मैं एक दिन रहमान सर से मिला और उन्होंने कहा कि मैंने आपको चमकीला के लिए फोन किया था। कॉमेडियन ने आगे बताया कि मुझे लगता है कि वह चाहते थे कि मैं कोई गाना या फिल्म के लिए कुछ करूं। मुझे लगा कि वह मेरे साथ सिर्फ मीठी-मीठी बातें कर रहे थे। कपिल ने आगे कहा, उन्होंने मुझसे यह बात गंभीर अंदाज में नहीं कही तो मैंने उनसे कहा कि सर हम विदेश में थे और इसीलिए हम एक-दूसरे से बात नहीं कर सके। कपिल ने आगे बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण था। इसके बाद मैं सारी रात रोया। कपिल की ये बातें सुनकर वहां मौजूद सभी लोगों की हंसी छूट गई। इस बातचीत में इम्तियाज ने आगे बताया कि रहमान सर ने उनसे कहा था कि अगर दिलजीत यह फिल्म नहीं करते, तो हमारे पास केवल एक विकल्प था जो कि आप थे। अमर सिंह चमकीला की बात करें तो फिल्म को हाल ही में सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया।

नरगिस ने खुलासा किया कि वह

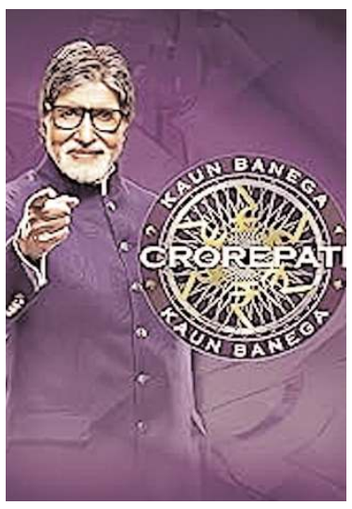
बॉलीवुड में एंट्री करने से पहले वेट्रनेरियन बनना चाहती थीं!

रॉकस्टार से लेकर मैं तेरा हीरो तक, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने बॉलीवुड में अपने पूरे सफर के दौरान कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। रॉकस्टार गर्ल ने मद्रास कैफे, अजहर और हाउसफुल 3 जैसी कुछ फिल्मों में कई रोल्स में अभिनय करके एक एक्ट्रेस के रूप में अपनी सीमा दिखाई है। हालाँकि, उनके फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि बॉलीवुड में आने से पहले उनके लिए एक अलग करियर चॉइस क्या रही होगी? खैर, नरगिस ने हालही में खुद इसका खुलासा किया है।

नरगिस ने कहा मैं बचपन में वेट्रनेरियन बनना चाहती थी। मुझे जानवरों से प्यार है और बचपन से ही मैं उन्हें एक सुरक्षित वातावरण देना चाहती थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और मैं फिल्म इंडस्ट्री में आ गई। अगर मुझे अपने जीवन पर विचार करना हो और अतीत में जाना हो तो, मैं कुछ भी नहीं बदलूंगी।

इन सालों में, मुझे अपनी कला से प्यार हो गया है, मेरा मतलब है, मैं स्क्रीन पर जो चाहती हूं, वह कर सकती हूं और बन सकती हूं। यह भी मैंने अनुभव किया है प्रभावशाली फिल्में लोगों के जीवन पर असर डालती हैं। यही कारण है कि मेरी कोशिश ऐसी फिल्में करने की है, जो महत्वपूर्ण हों और हमारे रोज़मर्रा के संघर्षों से एस्केपिज्म की तरह काम करें।

केबीसी के नए सीजन में वापसी के लिए तैयार हैं बिग बी, 26 अप्रैल से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन



कौन बनेगा करोड़पति के निर्माताओं ने मंगलवार को 26 अप्रैल से शुरू होने वाले रजिस्ट्रेशन के साथ नए सीजन की घोषणा कर दी है। क्विज-आधारित रियलिटी शो की मेजबानी मेगास्टार अमिताभ बच्चन कर रहे हैं।

शो के 15वें सीजन का आखिरी एपिसोड 29 दिसंबर, 2023 को प्रसारित किया गया था। शो के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर शो के नए सीजन की घोषणा करते हुए एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें सीजन 15 के अंतिम एपिसोड से अमिताभ की क्लिप देखी जा सकती है।

इसके बाद वीडियो में कई सोशल मीडिया संदेशों की झलक दिखाई गई, जैसे बच्चन जी वापस आ जाओ, औरहम आपको याद करते हैं बिग बी। कृपया केबीसी को फिर से शुरू करें। पोस्ट को कैप्शन दिया गया है, ऐसा मिला प्यार कि लौट रहा है फिर एक बार, कौन बनेगा करोड़पति शुरू हो रहा है। रजिस्ट्रेशन 26 अप्रैल रात 9 बजे से शुरू। प्रशंसकों ने टिप्पणी अनुभाग में लिखा, केबीसी का नया सीजन लाने के लिए धन्यवाद। एक अन्य यूजर ने कहा, हमें आपकी याद आती है सर। हालांकि, नए सीजन की प्रीमियर तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। सीजन 15 के आखिरी एपिसोड में हैदरगंज, उत्तर प्रदेश के आईएएस उम्मीदवार अविनाश भारती को दिखाया गया था। उन्होंने 50 लाख रुपये की रकम जीती थी। फिनाले एपिसोड में भारतीय पैरा-तीरंदाज शीतल देवी और एक्ट्रेस विद्या बालन भी शामिल थीं। उनके बाद दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और उनकी पोती सारा अली खान थीं।

प्रियंका चोपड़ा शूटिंग के दौरान हुईं घायल



प्रियंका चोपड़ा इस वक्त फिल्म हेड ऑफ स्टेट की शूटिंग कर रही हैं और उन्हें चोट लग गई। प्रियंका एक स्टंट करते हुए घायल हो गईं और उनके चेहरे पर खून की छींटें व खरोंचें दिखीं। प्रियंका के चेहरे पर चोट लगी है, जिसकी तस्वीर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फैंस संग शेयर की है।

प्रियंका चोपड़ा हाल ही अपनी हॉलीवुड फिल्म हेड ऑफ स्टेट की शूटिंग कर रही थीं कि इसी दौरान उनके साथ सेट पर दुर्घटना हो गई। इसमें प्रियंका को हल्की-फुल्की चोटें आई हैं।

अदिति भगत ने उड़ारियां में सीखा ऑन-स्क्रीन रोमांस



शो उड़ारियां में आसमा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अदिति भगत ने बताया कि इस शो ने उन्हें ऑन-स्क्रीन रोमांस करना सिखाया है। अदिति ने बताया कि वह शो में पहली बार रोमांटिक सीन कर रही हैं और वह स्वीकार करती हैं कि कभी-कभी उन्हें ऐसा करना मजेदार भी लगता है। उन्होंने कहा, उडारियां ने मुझे सिखाया कि ऑन-स्क्रीन रोमांस कैसे किया जाता है। मैं मजाक नहीं कर रही हूं, ऐसे सीन को शूट करना बहुत मुश्किल है क्योंकि कभी-कभी मुझे सीधा चेहरा बनाए रखना मुश्किल लगता है लेकिन एक कलाकार के रूप में आपको किसी भी दृश्य को करने के लिए तैयार रहना पड़ता है और मुझे लगता है कि मैं उसमें महारत हासिल कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा, मुझे फाइट सीक्वेंस करने में भी मजा आ रहा है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं टीवी पर एक्शन सीन करूंगी। एक्ट्रेस रोजाना सेट पर आने को आतुर रहती हैं। वह कहती हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें अपना काम इतना पसंद है कि अगर संभव हुआ तो वह सेट पर ही रहेंगी। अदिति ने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। हर दिन जब मैं उठती हूं, तो मेरा दिल कृतज्ञता से भरा होता है, और इतने लोकप्रिय शो में मुख्य भूमिका निभाने के लिए मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।

ईशा अग्रवाल को दिया नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का क्राउन

एडवोकेट ईशा अग्रवाल ने एम्प्रेस श्रेणी में प्रतिष्ठित नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया का खिताब जीता। यह ट्रॉफी एक कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उनको प्रदान की। नारी फर्स्ट ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट का समापन कार्यक्रम कॉर्डेला क्रूज पर हुआ। इसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों से 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें एम्प्रेस श्रेणी में ईशा अग्रवाल विजेता बनीं। मुंबई में बसी छत्तीसगढ़ की रहने वाली सिंगल मदर ईशा की यात्रा संघर्ष से भरी हुई है।

छत्तीसगढ़ में एलएलएम पूरा करने के बाद उन्हें इंस्टाग्राम पर नारी फर्स्ट का विज्ञापन मिला। उनकी बेटी ने उनको अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। पारिवारिक जिम्मेदारियों और काम के बीच संतुलन बनाते हुए ईशा डटी रहीं और साबित कर दिया कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती। नारीफर्स्ट का ज्वेल ऑफ इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट पारंपरिक मानदंडों को तोड़ते हुए और विविधता और सशक्तिकरण की शक्ति का जश्न मनाते हुए एक शानदार कॉर्डेला क्रूज पर संपन्न हुआ। संस्थापक एकता शर्मा और अंशु बुधराजा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी उम्र, ऊंचाई और वजन के प्रतिभागियों का स्वागत किया। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए 130 प्रतियोगियों को शामिल करने वाली इस अभूतपूर्व प्रतियोगिता ने परिवर्तनकारी प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसका समापन एक अविस्मरणीय अनुभव के रूप में हुआ।



अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में नेगेटिव किरदार निभाती नजर आएंगी एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव

अपकमिंग शो मैं हूं साथ तेरे में रैना की नकारात्मक भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस मानसी श्रीवास्तव ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। यह शो आपको एक अकेली मां जानवी (उल्का गुप्ता) की यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है, जिसमें एक माता-पिता की भूमिका निभाते समय एक मां को निरंतर सामाजिक जांच और कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है . जानवी अपने बेटे कियान के साथ रहती है, जो उसकी दुनिया है, लेकिन उनके मजबूत बंधन के बावजूद कियान को घर में एक आदमी की मौजूदगी की कमी का अनुभव होता है।



कहानी तब और गहरी हो जाती है जब जानवी की मुलाकात एक अमीर व्यापारी आर्यमान (करण वोहरा) से होती है और दोनों एक ही छत के नीचे काम करने लगते हैं। शो में मानसी आर्यमन की बहन रैना का किरदार निभाती नजर आएंगी। हालांकि वह बुंदेला परिवार की सबसे छोटी बेटी है, लेकिन बहुत महत्वाकांक्षी है और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। लेकिन वह आर्यमान को पसंद नहीं करती, और वह नहीं चाहती कि बुंदेला की संपत्ति में उसका कोई हिस्सेदार हो क्योंकि वह उसके पिता की दूसरी शादी से हुआ बेटा है।

'पंड्या स्टोर' छोड़ने की वजह पर शो बनाने वालों पर लगाया ये बड़ा आरोप

छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री मेघा शर्मा अब धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' का हिस्सा नहीं रहीं। चर्चा है कि उन्हें शो की बदलती कहानी के चलते बाहर कर दिया गया है। हालांकि, मेघा का अब ये कहना है कि ये शो उन्होंने खुद छोड़ दिया है। मेघा का आरोप है कि जैसे जैसे कहानी आगे बढ़ रही थी, उनके किरदार को शो में बिल्कुल हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। धारावाहिक 'पंड्या स्टोर' छोड़ने के अपने फैसले की वजह बताते हुए मेघा ने कहा, मैं लगभग 9-10 महीनों तक शो का हिस्सा रही और पहले चार महीनों तक मैंने अपनी भूमिका का भरपूर आनंद लिया। लेकिन फिर, चीजें दोहराई जाने लगीं और मेरा चरित्र विकसित नहीं हो रहा था। मुझे ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिल रहा था, इसलिए मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं एक अंतिम पड़ाव पर पहुंच रही हूं। मेघा के मुताबिक, जो कुछ हो रहा था, मुझे इस पर रोक लगाने की जरूरत महसूस हुई। इस प्रकार, मैंने शो छोड़ दिया क्योंकि मेरा किरदार विकसित नहीं हो रहा था और मेरे पास मुश्किल से ही कोई स्क्रीन टाइम या लाइन्स थीं। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा, लेकिन जब मुझे एहसास हुआ कि मुझे चमकने का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है, तो मुझे छोड़ने का फैसला करना पड़ा। मेघा कहती हैं, चलते हुए शो को छोड़ना एक कठिन निर्णय था क्योंकि मुझे टीम के साथ काम करने में बहुत मजा आया, वे बहुत अच्छे थे।

